संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 290
पृष्ठ 8
शुक्रवार
10 जुलाई 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बदलते मौसम में नहीं बीमार...

विचार- एसआईआरः कमजोर पर वार!

खेल- कौन हैं अर्नव पापरकर? विंबलडन...

मुख्यमंत्री ने 701 करोड़ की दीं सौगातें, बोले-

नकारात्मक व विकास विरोधी सोच वालों को खारिज कीजिए

बांदा,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस को निशाने पर रखते हुए इन सरकारों के कार्यों का अंतर बताया। उन्होंने कहा कि कुछ लोग विरासत को अपमानित करते हैं। उन्होंने हिंदू परंपरा व सनातन को कोसना जीवन का ध्येय बनाया है। वे वैभवशाली व विकसित भारत नहीं देखना चाहते। हमारी सरकार जो पैसा मंदिरों के विकास व ध ामों के सुंदरीकरण के लिए देती है, समाजवादी पार्टी के समय यही पैसा कब्रिस्तान की बाउंड्रीवाल के लिए जाता था। उन्हें कब्रिस्तान प्यारा है, इसलिए वे राम मंदिर, काशी विश्वनाथ, मां विंध्यवासिनी धाम, चित्रकूट, नैमिषारण्य धाम के विकास का विरोध करते हैं। सपा व कांग्रेस वाले भाजपा के प्रतिनिधियों द्वारा कराए जाने वाले विकास कार्यों को पचा नहीं पाते। सीएम ने प्रदेशवासियों से अपील की कि जिनकी सोच नकारात्मक व विकास विरोधी है, उन्हें खारिज कीजिए। सीएम ने गुरुवार को बांदा व बबेरू विधानसभा क्षेत्र के लिए 710 करोड़ से अधिक की 229 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण शिलान्यास किया।मुख्यमंत्री ने बुंदेलखंड की दुर्दशा के दौर को भी बयां किया। बोले, सीएम बनने के बाद प्रध ानमंत्री ने मुझसे कहा था कि पहला दौरा बुंदेलखंड का हो और वहां के लिए कुछ किया जाए। नौ– साढ़े 9 साल पहले जब आया तो देखा कि पिछड़ापन यहां का पर्याय था। पलायन और प्यास बुंदेलखंड की पहचान बन गई थी। खनन, लैंड, सैंड, वन, भूमाफिया , डकैतों का ऐसा आतंक था, जिससे किसान भी खेत में जाने से डरता था। पाठा का क्षेत्र डकैतों के लिए फिरौती व वसूली का माध्यम था। कनेक्टिविटी, सिंचाई,पेयजल, सुरक्षा, रोजगार नहीं था। थाने में एफआईआर तक नहीं होती थी। बुंदेलखंड अस्तित्व के लिए जूझ रहा था परंतु अब बुंदेलखंड की प्रगति को देखकर अंतःकरण से प्रसन्नता होती है। हर किसी को 9 वर्ष पहले और आज के बांदा में परिवर्तन दिखेगा। उन्होंने आश्वस्त किया कि विकास व विरासत के संरक्षण के लिए शासन के संज्ञान में जो भी प्रोजेक्ट आएगा, उसे लागू कर बुंदेलखंड को धरती का स्वर्ग बनाएंगे। पीएम मोदी ने जब देश की बागडोर संभाली तो आशा की किरण जगी। 2017 में यूपी में डबल इंजन सरकार बनने के बाद यहां भी कनेक्टिविटी, पेयजल, हर खेत को पानी और बांदा के युवाओं को सरकारी नौकरी का नियुक्ति पत्र मिल रहा है। डबल इंजन की भाजपा सरकार ने सभी के सपनों को साकार किया है। जनता ने श्रीप्रकाश द्विवेदी, रामकेश निषाद व ओममणि वर्मा जैसे अच्छे जनप्रतिनिधियों को जिताया है तो यहां विकास की परियोजनाएं आ रही हैं। बुंदेलखंड भी डकैत, माफिया, कर्फ्यू, उपद्रव व दंगामुक्त हो गया। अब यहां महारानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज, कृषि विश्वविद्यालय, इंजीनियरिंग कॉलेज, पॉलीटेक्निक कॉलेज, कनेक्टिविटी की बेहतरीन सुविधा मिल रही है। डबल इंजन सरकार तुष्टिकरण की नीति पर नहीं चलती। सरकार को उपद्रव, कर्फ्यू, गुंडागर्दी पसंद नहीं है। सीएम ने बांदा की सड़कों व चौराहों में आए बदलाव का जिक्र किया। शहर के लोगजनप्रतिनिधि ायों के साथ मिलकर व्यवस्थित सिटी का मॉडल बना सकते हैं। बांदा वीरों–वीरांगनाओं को सम्मान दे रहा है। यहां महापुरुषों के नाम पर पार्क बन रहे हैं। कालिंजर का अजेय दुर्ग विजय पथ पर बढ़ने की प्रेरणा देता है। वहां विराजमान नीलकंठ महादेव का आशीर्वाद हर किसी को मिलता है। सीएम ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार है तो भारत की विरासत को संरक्षित किया जा रहा है।

मेलबर्न में मोदी का मेगा शो:प्रधानमंत्री बोले-

आतंकी ठिकानों पर धमाकों की गूंज दुनिया ने सुनी

मेलबर्न,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन दिनों तीन दिवसीय ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हैं। उन्होंने गुरुवार को मेलबर्न में भारतीय समुदाय को संबोधित किया। इस मेगा शो में 30 हजार भारतीय शामिल हुए। पीएम मोदी ने भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए ऑपरेशन सिंदूर का एक बार फिर जिक्र किया है। पीएम ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकी ठिकानों पर हुए धमाकों की गूंज पूरी दुनिया ने सुनी। भारतीयों को संबोधित करते हुए कहा भारतीय प्रधानमंत्री ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान डेमो तो देख ही लिया होगा, ध ामाके पड़ोसियों पर हो रहे थे और गूंज पूरी दुनिया में सुनाई दे रही थी। आतंकी कैंप पर इस कड़े प्रहार से आपको गर्व हुआ कि नहीं हुआ? भारत इतने पर ही रुकना नहीं चाहता, भारत कह रहा है ग्रो मोर, ग्रो मोर। प्रध ानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, ष्हम भारतीय ऐसे ही हैं जैसे दूध में चीनी मिल जाती है और उसे और भी मीठा कर देती है। वैसे ही, हम भारतीय दुनिया भर में अपने प्रेम का रंग घोलते रहते हैं। घर में दूध तो ऑस्ट्रेलिया वाला आता है, लेकिन चाय भारत वाली बनती है...उन्होंने कहा, ष्आपने सुना होगा कि भारत में आजकल भजन क्लबिंग का नया ट्रेंड चल रहा है। हमारी ळमर्द इसे आगे बढ़ा रही है और यहां ऑस्ट्रेलिया में भी, मैंने सुना है कि आपके वीकेंड भी आस्था और आध्यात्म से भरा रहता है। कहीं किसी के घर भगवान सत्यनारायण की कथा, तो कहीं गुरुद्वारे में अरदास, कहीं बच्चे द्वारा भांगड़ा, कहीं भरतनाट्यम की प्रस्तुति या कहीं कोई क्रिकेट टूर्नामेंट चल रहा होता है।

वेनेजुएला में भूकंप के बाद भारतीय सेना के ऑपरेशन अमिस्ताद का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा, भारत हमेशा आपदा में मदद करता है। हम जब मदद करते हैं तो नागरिकों के पासपोर्ट नहीं देखते। दुनिया आज भारत पर भरोसा करती है। पीएम मोदी ने तुर्किये और सीरिया में आए भूकंप के दौरान भी भारत की तरफ से भेजी गई मदद का जिक्र किया। उन्होंने खेल के क्षेत्र में दिए गए योगदान का भी जिक्र किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, ष्मुझे खुशी है कि शिक्षा, हुनर और इनोवेशन के क्षेत्र में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रिश्ते गहरे और मजबूत हो रहे हैं। आज हजारों भारतीय छात्र ऑस्ट्रेलिया में पढ़ाई कर रहे हैं और अब ऑस्ट्रेलियाई यूनिवर्सिटीज भी भारत में अपने कैंपस खोल रही हैं। डीकिन और वोलोंगोंग यूनिवर्सिटीज के कैंपस शुरू हो चुके हैं और दूसरी ऑस्ट्रेलियाई यूनिवर्सिटीज भी इसी दिशा में आगे बढ़ रही हैं। और यह सिर्फ नए कैंपस खोलने की बात नहीं है, यह दुनिया को कुशल और इनोवेटिव टैलेंट देने वाले ग्लोबल लीडर तैयार करने का एक अभियान भी है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने 2014 के ऑस्ट्रेलिया दौरे को याद करते हुए कहा कि उस समय करीब 28 वर्षों के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने ऑस्ट्रेलिया की यात्रा की थी।

पंजाब में आप सरकार का बड़ा कदम

लुधियाना,एजेंसी। आम आदमी पार्टी सरकार के युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान के तहत पंजाब में 10,000 से ज़्यादा नशा करने वालों को नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट की धारा 64ए के तहत कानूनी कार्रवाई से छूट दी गई है और उन्हें सरकारी नशा–मुक्ति केंद्रों में भर्ती कराया गया है। 1 मार्च, 2025 और 6 जुलाई, 2026 के बीच, नशीले पदार्थों का सेवन करने या निजी इस्तेमाल के लिए थोड़ी मात्रा में उन्हें रखने के आरोपी कुल 10,656 लोगों ने कानूनी कार्रवाई का सामना करने के बजाय स्वेच्छा से इलाज कराने का विकल्प चुना। इसी दौरान, पंजाब पुलिस ने NDPS एक्ट के तहत 51,516 एफआईआर दर्ज कीं और नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 67,519 लोगों को गिरफ्तार किया। सरकार ने कहा कि ये आंकड़े ड्रग्स के खिलाफ उसकी दोहरी रणनीति को दिखाते हैं– एक तरफ सप्लायर्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई करना और दूसरी तरफ ड्रग की लत को सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्या मानकर उसका इलाज करना। बयान में कहा गया यह संवेदनशील नजरिया राज्य की इस समझ को दिखाता है कि नशीले पदार्थों की लत से जूझ रहे लोगों को सजा के बजाय इलाज और रिहैबिलिटेशन की जरूरत होती है। इससे यह भी पता चलता है कि NDPSएक्ट की धारा 64। को उसकी सही भावना के साथ लागू किया जा रहा है। धारा 64। उन ड्रग एडिक्ट्स (नशे के आदी लोगों) को कानूनी कार्रवाई से छूट देती है जो अपनी मर्जी से नशा–मुक्ति का मान्यता प्राप्त इलाज करवाते हैंय उन्हें NDPSएक्ट के संबंधित प्रावधानों के तहत सजा से छूट मिलती है। बयान के अनुसार, हर लाभार्थी का इलाज का खास प्लान बनाने से पहले मेडिकल जांच की जाती है। इस प्लान में डिटॉक्सिफिकेशन, साइकियाट्रिक देखभाल, काउंसलिंग, बिहेवियरल थेरेपी और दोबारा नशा करने से रोकने के उपाय शामिल होते हैं। सरकार ने कहा कि जैसे–जैसे यह अभियान आगे बढ़ेगा, पुलिस ड्रग एडिक्ट्स की पहचान करती रहेगी और उन्हें नशा–मुक्ति और रिहैबिलिटेशन सेंटर्स से जोड़ती रहेगी।

राम मंदिर ट्रस्ट तुरंत भंग करो-अशोक गहलोत

नयी दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने राम मंदिर के लिए मिले चंदे में कथित हेराफेरी के मामले में जांच एजेंसियों और राजनीतिक नेतृत्व की तरफ से देरी से की गई कार्रवाई की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि मंदिर के फंड का प्रबंधन करने वाले ट्रस्ट को सबूतों के साथ छेड़छाड़ का पता चलने के तुरंत बाद ही भंग कर दिया जाना चाहिए था।

गहलोत ने इस मामले के सामने आने के शुरुआती दिनों में चुप्पी साधे रखने के लिए बीजेपी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की कड़ी आलोचना की। गहलोत ने सवाल किया कि कार्रवाई कब होगी? जब इस घटना की जानकारी पहली बार सामने आई, तो सीसीटीवी फुटेज डिलीट कर दिया गया था। तुरंत की जाने वाली कार्रवाई ट्रस्ट को भंग करना और जांच शुरू करना होनी चाहिए थी बाद में, एफआईआर दर्ज की गई, एसआईटी बनाई गई और पहली गिरफ्तारी हुई। कई दिनों तक आरएसएस और भाजपा की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। गहलोत ने आम नागरिकों के लिए मंदिर के भावनात्मक महत्व पर जोर देते हुए कहा कि कथित घोटाले से देशभर के श्रद्धालुओं में निराशा और नाराजगी है। उन्होंने कहा कि लोगों ने दान दिया।

एनटीए को भंग करें, धर्मेंद्र प्रधान दें इस्तीफा : कांग्रेस

नयी दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) को भंग करने और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार ने एजेंसी को जानबूझकर कमजोर और अक्षम बनाया है, जिससे कंप्यूटर आध ारित परीक्षाओं में भी पेपर लीक और अन्य अनियमितताओं के मामले सामने आ रहे हैं। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने गुरुवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि गत मई में नीट–यूजी परीक्षा के पेपर लीक होने के कुछ ही दिनों बाद शिक्षा मंत्री ने घोषणा की थी कि अगले वर्ष से नीट परीक्षा कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) के माध्यम से आयोजित की जाएगी। इससे संदेश देने का प्रयास किया गया कि पेन–पेपर आधारित परीक्षा के विपरीत सीबीटी में पेपर लीक नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि अब खबरें हैं कि यूजीसी–नेट समाजशास्त्र परीक्षा का पेपर, सीबीटी होने के बावजूद, लीक हुआ हो सकता है। इससे पहले यूजीसी–नेट अंग्रेजी परीक्षा में भी बिना किसी बदलाव के लगभग पूरे प्रश्न पुराने प्रश्न पत्रों से पूछे जाने के आरोप सामने आए थे। श्री रमेश ने कहा कि इससे स्पष्ट है कि परीक्षा का प्रारूप चाहे पेन–पेपर हो या सीबीटी, पेपर लीक और अन्य अनियमितताएं इसलिए हो रही हैं क्योंकि मोदी सरकार का शिक्षा मंत्रालय कॉम्प्रोमाइज हो चुका है और एनटीए को जानबूझकर कमजोर तथा अक्षम बनाया गया है। उन्होंने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे और एनटीए को भंग करने की मांग दोहराई।

ममता को कोर्ट से राहत, पार्टी के तीनों खातों से पैसा निकाल सकेगी टीएमसी

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल की राजनीति में गुरुवार को दो बड़े घटनाक्रम सामने आए। एक ओर कलकत्ता हाईकोर्ट ने जहां मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की गुट वाले तृणमूल कांग्रेस को पार्टी के फ्रीज किए गए तीन बैंक खातों के संचालन के लिए एक विशेष अधिकारी नियुक्त कर दिया, वहीं दूसरी ओर अदालत ने पूर्व मंत्री अरूप विश्वास पर अदालत परिसर में कथित अंडे फेंकने की घटना पर सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि आरोपियों की सार्वजनिक बेइज्जती और उन पर अंडे फेंकने जैसी प्रवृत्ति पर रोक लगनी चाहिए। जस्टिस सौगत भट्टाचार्य ने रिटायर्ड जज जस्टिस सुब्रत तालुकदार को 30 सितंबर तक विशेष अधिकारी नियुक्त किया। अदालत ने तय किया कि उनकी निगरानी में ही ज्डब अपने फ्रीज किए गए बैंक खातों का सीमित इस्तेमाल कर सकेगी। बिल्कुल नहीं। अदालत ने साफ कर दिया कि खातों से सिर्फ पार्टी के रोजमर्रा के संचालन और कानूनी मामलों से जुड़े खर्च ही किए जा सकेंगे। कोर्ट ने स्पष्ट कहा, श्स्पेशल ऑफिसर किसी भी अन्य बड़े या छोटे खर्च की अनुमति नहीं देंगे।श हालांकि राज्य सरकार ने कानूनी खर्चों के लिए रकम निकालने का विरोध किया, लेकिन अदालत ने इसकी भी इजाजत दे दी।

हमारा उद्देश्य लोगों को विकल्प देना: गडकरी

नई दिल्ली,एजेंसी। वाहनों में पेट्रोल के साथ ज्यादा इथेनॉल मिलाने को लेकर बहस जारी है। इस बीच, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि इथेनॉल की ऊर्जा क्षमता पेट्रोल से कम होती है। इसलिए जैसे–जैसे पेट्रोल में इथेनॉल की मात्रा बढ़ती है, वैसे–वैसे गाड़ी का औसत माइलेज थोड़ा कम हो सकता है। लेकिन ज्यादातर मामलों में इसका असर बहुत कम होगा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सोशल मीडिया पर ई20 पेट्रोल से वाहनों के खराब होने की जो बातें सामने आ रही हैं, उन्हें बढ़ा–चढ़ाकर पेश किया जा रहा है। उनके मुताबिक, यह एक सुनियोजित दुष्प्रचार है।

गडकरी ने कहा कि ई20 मिश्रण (20 फीसदी इथेनॉल और 80 फीसदी पेट्रोल) को पूरे देश में लागू करने से पहले पुणे स्थित ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई) और वाहन बनाने वाली कंपनियों ने कई तरह के परीक्षण किए थे। सभी जरूरी मंजूरी मिलने के बाद ही इसे लागू किया गया।

इलाहाबाद विवि के संयुक्त कुलसचिव का मोबाइल हैक, जालसाजों ने परिचितों से मांगे रुपये, एफआईआर दर्ज

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) के संयुक्त कुलसचिव का जालसाजों ने मोबाइल और व्हाट्सएप हैक कर लिया। इसके बाद हैकर उनके व्हाट्सएप अकाउंट से परिचितों को संदेश भेजकर रुपये मांगने लगे। कर्नलगंज पुलिस ने

एफआईआर दर्ज कर ली है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) के संयुक्त कुलसचिव का जालसाजों ने मोबाइल और व्हाट्सएप हैक कर लिया। इसके बाद हैकर उनके व्हाट्सएप अकाउंट से परिचितों को संदेश भेजकर रुपये मांगने लगे। कर्नलगंज पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। एफआईआर के मुताबिक, इलाहाबाद इविवि के संयुक्त कुलसचिव मेजर डॉ. हर्ष कुमार के मोबाइल नंबर पर अनजान से कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को पार्सल सेवा से जुड़ा बताते हुए कहा कि पार्सल घर पर प्राप्त करने के लिए 21 डायल कराकर एक मोबाइल नंबर दर्ज करा दिया। जैसे ही उन्होंने बताए गए नंबर को डायल किया, उनका व्हाट्सएप काम करना बंद कर दिया। कुछ ही देर बाद उनके परिचितों के फोन आने लगे। लोगों ने बताया कि उनके व्हाट्सएप नंबर से पैसे मांगने वाले संदेश भेजे जा रहे हैं। कुछ लोगों ने उन संदेशों के स्क्रीनशॉट और अन्य विवरण भी उपलब्ध कराए हैं, जिन्हें शिकायत के साथ संलग्न किया गया है। कर्नलगंज थाना प्रभारी संजय कुमार सिंह ने बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है, जांच की जा रही है।

दहेज हत्या में मिली उम्रकैद से ससुर बरी, पति की कैद 10 साल में तब्दील

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दहेज हत्या में मिली उम्रकैद से ससुर को बरी कर दिया जबकि पति की सजा घटाकर 10 साल सश्रम करावास में तब्दील कर दी। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति विनय कुमार द्विवेदी की खंडपीठ ने कानपुर नगर निवासियों की अपील पर दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दहेज हत्या में मिली उम्रकैद से ससुर को बरी कर दिया जबकि पति की सजा घटाकर 10 साल सश्रम करावास में तब्दील कर दी। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति विनय कुमार द्विवेदी की खंडपीठ ने कानपुर नगर निवासियों की अपील पर दिया है। नौबस्ता थाना क्षेत्र में 2016 में देशराज की पत्नी सविता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। मायकेवालों ने पति देशराज, ससुर राम सजीवन पर दहेज में पांच लाख रुपये की मांग करने और प्रताड़ित कर हत्या करने का आरोप लगाया था। ट्रायल कोर्ट ने दोनों को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ दोनों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट ने पाया कि ससुर के खिलाफ केवल सामान्य आरोप लगाए गए थे। वह खुद बेहद गरीब था। रिक्शा चलाकर जीवनयापन कर रहा था। पति को सजा सुनाने के दौरान ट्रायल कोर्ट ने उसकी समय सामाजिक–आर्थिक स्थितियों को नजरअंदाज किया था। देशराज 2016 से जेल में है और अपनी सजा के नौ साल से अधिक काट चुका है। कोर्ट ने कहा कि सजा ऐसी होनी चाहिए जो अपराध की गंभीरता के अनुपात में हो। कोर्ट ने राम सजीवन को आरोप से बरी करते हुए तत्काल रिहा करने का आदेश दिया।

विवाहिता की मौत पर ससुरालवालों की चुप्पी भी बन सकती है सजा का आधार

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि ससुराल में विवाहिता की अस्वाभाविक में मौत होती है। परिस्थितिजन्य साक्ष्यों की शृंखला मौजूद लोगों की ओर इशारा करती है तो संतोषजनक स्पष्टीकरण देना ससुरालवालों का दायित्व है। यदि ऐसा नहीं कर पाते तो उनकी चुप्पी भी सजा का आधार मानी जा सकती है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि ससुराल में विवाहिता की अस्वाभाविक में मौत होती है। परिस्थितिजन्य साक्ष्यों की शृंखला मौजूद लोगों की ओर इशारा करती है तो संतोषजनक स्पष्टीकरण देना ससुरालवालों का दायित्व है। यदि ऐसा नहीं कर पाते तो उनकी चुप्पी भी सजा का आधार मानी जा सकती है।

इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति सौरभ श्रीवास्तव की खंडपीठ ने इटावा निवासी तीन आरोपियों की ट्रायल कोर्ट से मिली उम्रकैद की सजा बरकरार रखी। बकेवार थाना क्षेत्र के रहने वाले सुधाकर की 2012 में शादी हुई थी। विवाहिता के पिता किसन बाबू ने सुधाकर, उसकी मुन्नी देवी और पिता गौरी शंकर के खिलाफ 10 मई 2015 एफआईआर दर्ज

कराई थी। आरोप लगाया कि दहेज में एक लाख रुपये और पल्सर बाइक की मांग पूरी न होने पर इन लोगों ने बेटी हत्या कर दी। हालांकि, मुकदमे के दौरान किसन बाबू समेत सभी नौ गवाह अपने बयान से मुकर गए। यहां तक कि किसन बाबू ने कोर्ट में अपनी ही एफआईआर से इन्कार कर कहा कि बाद में उन्हें पता चला कि कुछ अज्ञात बदमाशों ने बेटी की हत्या की थी।

इटावा के अपर सत्र न्यायाधीश (फास्ट ट्रैक कोर्ट) ने मेडिकल रिपोर्ट और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर तीनों को आजीवन कारावास और 20 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई थी। कोर्ट ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कहा कि गर्दन पर रस्सी या फंदे से बने दबाव का निशान, गले की हड्डी का फ्रैक्चर, शरीर पर कई चोटें स्पष्ट रूप से गला घोंटकर हत्या और संघर्ष की ओर संकेत करती हैं।

कोर्ट ने अज्ञात बदमाशों के घर में घुसकर केवल बहू की हत्या कर देने की कहानी को अविश्वसनीय माना। कहा कि यदि बाहरी लोग घर में घुसे होते तो पति और सास–ससुर का पूरी तरह सुरक्षित रहना स्वाभाविक नहीं था। घटना घर के भीतर हुई थी। इसलिए उसके वास्तविक कारणों की जानकारी पति और ससुराल पक्ष को ही थी। इसके बावजूद उन्होंने अपने बयान में कोई संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दिया। कोर्ट ने इसे परिस्थितिजन्य साक्ष्यों की निर्णायक कड़ी मानते हुए अपीलें खारिज कर दीं।

माफिया अतीक की बेनामी संपत्ति की जांच करेगी एसआईटी, विधायक पूजा पाल की शिकायत पर हुई कार्रवाई

प्रयागराज। शाह उर्फ पीपलगांव में प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) की ओर से अवैध प्लॉटिंग ध्वस्त किए जाने के बाद अब संपत्ति की जांच के लिए डीएम मनीष कुमार वर्मा ने एसआईटी का गठन कर दिया है। शाह उर्फ पीपलगांव में प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) की ओर से अवैध प्लॉटिंग ध्वस्त किए जाने के बाद अब संपत्ति की जांच के लिए डीएम मनीष कुमार वर्मा ने एसआईटी का गठन कर दिया है।

विधायक पूजा पाल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर शिकायत दर्ज कराई थी कि शाह उर्फ पीपलगांव में माफिया अतीक अहमद की बेनामी संपत्ति है और इस सरकारी जमीन की अवैध रूप से खरीद–फरोख्त कर उस पर कब्जा कराया जा रहा है। विधायक ने प्रकरण की एसआईटी जांच कराने की मांग की थी।

शिकायत पर मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव संजय प्रसाद

ने जिलाधिकारी व पुलिस आयुक्त को पत्र लिखकर निर्देश दिए कि प्रकरण की जांच करके संयुक्त आख्या तीन दिनों के भीतर उपलब्ध कराएं। संजय प्रसाद ने यह भी स्पष्ट किया है कि विधायक पूजा पाल ने शिकायती पत्र मुख्यमंत्री से मिलकर दिया है।

डीएम मनीष कुमार वर्मा ने जांच के लिए एसआईटी गठित कर दी है जिसमें एडीएम सिटी, एआईजी स्टांप, डीसीपी सिटी, एसडीएम सदर व पीडीए सचिव को शामिल किया गया है। एसआईटी अपनी जांच में यह पता लगाएगी कि जमीन सरकारी है या नहीं, यह माफिया अतीक अहमद की बेनामी संपत्ति है या नहीं, इस जमीन की खरीद–फरोख्त कब की गई और जमीन पर अवैध कब्जा कैसे हुआ।

शाहा उर्फ पीपलगांव में इसी जमीन पर प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने मंगलवार को बुलडोजर चलवाकर सुशील यादव, मोहम्मद मुस्लिम, फरमूद मुल्ला, मकबूल अहमद, अनस, वदूद अहमद, लल्लू उर्फ रामनाथ, मेट्रो इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमेटड, सुरेंद्र द्विवेदी की ओर से 12 बीघा अवैध प्लॉटिंग को ध्वस्त कर दिया था। पीडीए ने अवैध प्लॉटिंग को ध्वस्त कर दिया है और अब यह पता लगाया जा रहा है कि जमीन किसके नाम है और उस पर अवैध कब्जा कैसे हुआ। इसकी जांच के लिए एसआईटी गठित कर दी गई है। अगर जांच में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे की पुष्टि होती है तो अवैध कब्जा करने वाले के खिलाफ एंटी–भूमाफिया, गैंगस्टर, गुंडा एक्ट व एनएसए की कार्रवाई की जाएगी। –मनीष कुमार वर्मा, जिलाधिकारी

सीएजी में सबसे अधिक 90 पद, डाक विभाग में 76 और बीआरओ में 33 रिक्तियां

प्रयागराज। कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) ने संयुक्त हिंदी अनुवादक परीक्षा (जेएचटी) के लिए विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों में 303 अस्थायी रिक्तियों की घोषणा की है। एसएससी के अनुसार यह रिक्तियां बृहस्पतिवार को जारी की गई हैं।

कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) ने संयुक्त हिंदी अनुवादक परीक्षा (जेएचटी) के लिए विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों में 303 अस्थायी रिक्तियों की घोषणा की है। एसएससी के अनुसार यह रिक्तियां बृहस्पतिवार को जारी की गई हैं। इनमें अंतिम चयन प्रक्रिया तक परिवर्तन संभव है। साथ ही राज्यवार या जोनवार रिक्तियों का अलग से ब्योरा एसएससी के पास उपलब्ध नहीं है। ऐसे में अभ्यर्थियों को विस्तृत जानकारी के लिए संबंधित मंत्रालयों और विभागों से संपर्क करना होगा।

वरिष्ठ अनुवादक के छह पद

विभिन्न मंत्रालयों में उपलब्ध हैं। इनमें रक्षा मंत्रालय के सशस्त्र बल मुख्यालय (एएफएचक्यू) में दो, नौसेना के नागरिक जनशक्ति व योजना निदेशालय में दो, सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम मंत्रालय में एक और वित्त मंत्रालय के प्रवर्तन निदेशालय में एक पद शामिल है। वहीं कनिष्ठ अनुवादक के 297 पद घोषित किए गए हैं। इनमें सबसे अधिक 90 पद नियंत्रक व महालेखा परीक्षक (सीएजी) कार्यालय में हैं। इसके अलावा डाक विभाग में 76, सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) में 33, राजस्व विभाग में 24 और रक्षा लेखा महानियंत्रक (सीजीडीए) में 13 पद रिक्त हैं।

अन्य विभागों में भी रिक्तियां जारी की गई हैं। इनमें केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण में दो, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) में एक, केंद्रीय पासपोर्ट संगठन में एक, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) में पांच और भारत के महापंजीयक व जनगणना आयुक्त कार्यालय में दो पद शामिल हैं।

एसएससी ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल जारी रिक्तियां अनुमानित हैं। भर्ती प्रक्रिया के दौरान इनमें वृद्धि या कमी की जा सकती है। अभ्यर्थियों को अंतिम रिक्तियों की जानकारी एसएससी और संबंधित विभागों की ओर से जारी अपडेट के आधार पर मिलेगी।

दो भारत गौरव ट्रेनें चलेंगी, कराएंगी दक्षिण भारत की धार्मिक यात्रा, ईएमआई पर बुक होंगे टिकट

प्रयागराज। सावन मास के अवसर पर भारतीय रेल खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) की ओर से दो विशेष भारत गौरव पर्यटक ट्रेनें चलाई जाएंगी। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दोनों ट्रेनों का ठहराव प्रयागराज संगम रेलवे स्टेशन और प्रतापगढ़ स्टेशन पर होगा।

सावन मास के अवसर पर भारतीय रेल खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) की ओर से दो विशेष भारत गौरव पर्यटक ट्रेनें चलाई जाएंगी। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दोनों ट्रेनों का ठहराव प्रयागराज संगम रेलवे स्टेशन और प्रतापगढ़ स्टेशन पर होगा। दोनों ट्रेनों में एलटीसी और ईएमआई की सुविधा उपलब्ध है। आईआरसीटीसी के एजीएम वायु नंदन शुक्ला ने बुधवार को प्रयागराज जंक्शन पर संवाददाताओं को बताया कि यह ट्रेन 17 से 26 अगस्त (नौ रात और 10 दिन) तक टूर पर रहेगी। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को उज्जैन के महाकालेश्वर व ओमकारेश्वर ज्योतिर्लिंग, गुजरात के द्वारकाधीश मंदिर, भेंट द्वारिका, नागेश्वर ज्योतिर्लिंग, सोमनाथ ज्योतिर्लिंग, सिग्नेचर ब्रिज और दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के दर्शन का अवसर मिलेगा। यात्रा के लिए तीन अलग–अलग श्रेणियां तय की गई हैं। इकोनॉमी श्रेणी (शयनयान) के लिए 18,380 रुपये, स्टैंडर्ड श्रेणी (थर्ड एसी) के लिए 29,570 रुपये और कंफर्ट श्रेणी (सेकंड एसी) के लिए 38,870 रुपये प्रति यात्री शुल्क निर्धारित किया गया है। इसी तरह दक्षिण भारत के प्रमुख धार्मिक स्थलों की यात्रा कराने के लिए दूसरी ट्रेन 31 जुलाई से 11 अगस्त तक 11 रात और 12 दिनों के लिए चलाई जाएगी। इस पैकेज के तहत यात्रियों को दक्षिण भारत के मंदिरों और दर्शनीय स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा। इस विशेष ट्रेन के इकोनॉमी श्रेणी (शयनयान) में सफर के लिए 23,560 रुपये, स्टैंडर्ड श्रेणी (थर्ड एसी) के लिए 39,100 रुपये और कम्फर्ट श्रेणी (सेकंड एसी) के लिए 51,760 रुपये का भुगतान करना होगा।

प्रयागराज को स्लीपर वंदे भारत की सौगात मिलने की उम्मीद, कानपुर और अलीगढ़ में भी होगा ठहराव

प्रयागराज। प्रदेश में अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए रेलवे यात्रियों को एक के बाद एक कई बड़े तोहफे देने की तैयारी में जुट गया है। इसी क्रम में रेलवे प्रशासन वाराणसी से नई दिल्ली के बीच स्लीपर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन चलाने की योजना बना रहा है। प्रदेश में अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए रेलवे यात्रियों को एक के बाद एक कई बड़े तोहफे देने की तैयारी में जुट गया है। इसी क्रम में रेलवे प्रशासन वाराणसी से नई दिल्ली के बीच स्लीपर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन चलाने की योजना बना रहा है। इसका संचालन प्रयागराज के रास्ते किया जाएगा। ट्रेन के कानपुर सेंट्रल और अलीगढ़ स्टेशन पर भी रोकने की चर्चा है। रेक और समय सारणी को लेकर रेलवे बोर्ड स्तर पर मंथन अंतिम दौर में है। माना जा रहा है कि जल्द ही अधिसूचना जारी कर दी जाएगी। बताया जा रहा है कि वाराणसी से इसकी रवानगी रात नौ बजे होगी। सुबह पांच बजे ट्रेन नई दिल्ली पहुंचेगी। नई दिल्ली से इसे रात नौ बजे चलाने की योजना है जो सुबह पांच बजे वाराणसी पहुंच जाएगी। उत्तर मध्य रेलवे जोन में भी इस महत्वपूर्ण ट्रेन को लेकर तैयारी शुरू हो गई है। वंदे भारत के साथ ही रेलवे पूर्वांचल और पश्चिमी भारत के साथ–साथ पंजाब को जोड़ने के लिए भी एक और बड़ा कदम उठाने जा रहा है। रेलवे प्रशासन की योजना वाराणसी से जालंधर के बीच एलएचबी रेक से युक्त एक नई सीधी एक्सप्रेस ट्रेन शुरू करने की भी है। नई ट्रेन के शुरू होने से व्यापारियों, श्रमिकों और श्रद्धालुओं को पंजाब तक की कनेक्टिविटी मिल जाएगी। इसके रूट को भी लेकर मंथन चल रहा है। इसे वाया लखनऊ या फिर प्रयागराज के रास्ते ही चलाया जाएगा। हालांकि इसे अंबाला, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ, अयोध्या के रास्ते चलाने की संभावना अधिक है।

आने वाले समय में विभिन्न शहरों को जोड़ने के लिए स्लीपर वंदे भारत चलाने की योजना है। वाराणसी–दिल्ली स्लीपर वंदे भारत को लेकर अभी कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है। रेलवे बोर्ड ही इस बारे में निर्णय लेगा। – हिमांशु शेखर उपाध्याय, सीपीआरओ, उत्तर रेलवे

भर्ती मरीज की मौत मामले में पूछताछ के लिए उठाए गए दो युवक

प्रयागराज। तेज बहादुर सप्रू (बेली) अस्पताल में भर्ती मरीज मनोज कुमार की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत मामले में कैंट थाना पुलिस ने जांच तेज कर दी है। पुलिस पूछताछ के लिए दो युवकों को उठाकर उनसे साक्ष्य जुटाने में लगी है। तेज बहादुर सप्रू (बेली) अस्पताल में भर्ती मरीज मनोज कुमार की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत मामले में कैंट थाना पुलिस ने जांच तेज कर दी है। पुलिस पूछताछ के लिए दो युवकों को उठाकर उनसे साक्ष्य जुटाने में लगी है। सूत्रों के अनुसार अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज में मारपीट की घटना भी सामने आई है। मलाकराज निवासी मनोज कुमार शनिवार को पेट में दर्द की शिकायत पर बेली अस्पताल में भर्ती हुए थे। रविवार रात वार्ड के भीतर कुछ लोगों ने उसके साथ मारपीट की। इसके बाद जबरन अंगूठा लगवाकर उसे अस्पताल से बाहर कर दिया। आरोप है कि घटना के दौरान अस्पताल स्टाफ ने भी कोई हस्तक्षेप नहीं किया। मारपीट के बाद मनोज लापता हो गया और सोमवार सुबह अस्पताल के गेट नंबर–दो के पास उसका शव मिला। मामले में एफआईआर दर्ज करने और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर मंगलवार को परिजन कैंट थाने पहुंचे और विरोध जताया। पुलिस अधिकारियों ने निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन देकर उन्हें शांत कराया। फुटेज के आधार पर यह पता लगाया जा रहा है कि मनोज को अस्पताल से किसने और किन परिस्थितियों में बाहर निकाला। पुलिस अस्पताल के डिस्चार्ज रिकॉर्ड की भी जांच कर रही है कि मनोज को किस आधार पर छुट्टी दिखाई गई और उस समय वहां कौन–कौन मौजूद था। कैंट थाना प्रभारी अमरनाथ राय ने बताया कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है।

दूसरी शादी की आहट ने जोड़ दी टूटे रिश्तों की डोर, शादी के तीन महीने बाद अलग हुए थे पति–पत्नी

प्रयागराज। तीन साल से बिखरे वैवाहिक रिश्ते को आखिरकार दूसरी शादी की आहट ने नया जीवन दे दिया। शादी के महज

तीन महीने बाद अलग हुए पति–पत्नी जो वर्षों से एक–दूसरे से बात तक नहीं करना चाहते थे लेकिन परिवार परामर्श केंद्र की पहल और लगातार हुई काउंसलिंग के बाद फिर साथ रहने के लिए राजी हो गए। तीन साल से बिखरे वैवाहिक रिश्ते को आखिरकार दूसरी शादी की आहट ने नया जीवन दे दिया। शादी के महज तीन महीने बाद अलग हुए पति–पत्नी जो वर्षों से एक–दूसरे से बात तक नहीं करना चाहते थे लेकिन परिवार परामर्श केंद्र की पहल और लगातार हुई काउंसलिंग के बाद फिर साथ रहने के लिए राजी हो गए। दोनों ने पुराने गिले–शिकवे भुलाकर नए सिरे से जीवन शुरू करने का संकल्प लिया। कोरांव निवासी एक व्यक्ति की बेटी की शादी मई 2022 में मांडा थाना क्षेत्र के युवक के साथ हुई थी। शादी में सामर्थ्य के अनुसार नकदी, बाइक, सोने–चांदी के गहने, फर्नीचर और घरेलू सामान दिया गया था।

आरोप है कि विवाह के कुछ समय बाद ही पति, सास, ससुर और अन्य परिजन तीन लाख रुपये अतिरिक्त दहेज की मांग करने लगे। मांग पूरी न होने पर विवाहिता को लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया। उसे भोजन, इलाज और अन्य जरूरी सुविधाओं से भी वंचित रखा जाता था। जब भी वह मायके आती ससुराल में हो रही प्रताड़ना की जानकारी परिजनों को देती थी। आरोप यह भी था कि नौ दिसंबर 2023 को ससुराल पक्ष ने मारपीट कर उसे घर से निकाल दिया। इसके बाद वह मायके में ही रह रही थी। परिजनों ने कई बार रिश्तेदारों के माध्यम से समझौते का प्रयास किया लेकिन बात नहीं बनी।

10 से ज्यादा तारीखें लगीं, फिर पिघला मन

इस बीच पति की दूसरी शादी की तैयारी की सूचना मिलते ही वर्षों से ठहरा विवाद परिवार परामर्श केंद्र पहुंच गया। काउंसलिंग के दौरान पति–पत्नी को रिश्ते की अहमियत समझाई गई और दोनों पक्षों की शिकायतें सुनी गईं। पति–पत्नी के बीच इतनी दूरियां थीं कि काउंसलिंग के लिए 10 से अधिक तारीखें लगानी पड़ीं। कई बार पत्नी नहीं पहुंची तो कभी पति ने आने से इन्कार कर दिया।

नए सिरे से शुरू किया वैवाहिक जीवन

केंद्र की प्रभारी रचना सिंह और उनकी टीम ने लगातार दोनों पक्षों से संवाद बनाए रखा। हर पेशी पर उनकी शिकायतें सुनीं, रिश्ते की अहमियत समझाई और परिवार के भविष्य का एहसास कराया। आखिरकार लंबी काउंसलिंग के बाद दोनों का मन बदला और उन्होंने तीन साल पुरानी दूरियां मिटाकर फिर से साथ रहने का फैसला कर लिया। दोनों ने नए सिरे से वैवाहिक जीवन शुरू करने पर सहमति जताई।

नवजात का कटा सिर मिलने की सूचना पर दौड़ी पुलिस, नहीं मिला शव

प्रयागराज। कैंट एरिया के राजापुर स्थित पसियाना मोहल्ला रहमान तिराहा के पास बुधवार शाम नवजात बच्चे का कटा सिर कूड़े के ढेर में मिलने की चर्चा से इलाके में हड़कंप मच गया।

कैंट एरिया के राजापुर स्थित पसियाना मोहल्ला रहमान तिराहा के पास बुधवार शाम नवजात बच्चे का कटा सिर कूड़े के ढेर में मिलने की चर्चा से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और करीब दो घंटे तक आसपास के लोगों से पूछताछ करती रही लेकिन घटनास्थल से ऐसा कोई शव या मानव अंग नहीं मिला। अधिकांश लोगों ने केवल सूचना सुनने की बात कही, लेकिन किसी ने भी यह नहीं बताया कि नवजात कहां मिला था। इस बीच 17 सेकंड का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ, जिसमें नवजात का कटा हुआ चेहरा जैसी आकृति दिखाई दे रही है। हालांकि, वीडियो की सत्यता की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। कैंट थाना प्रभारी अमरनाथ राय ने बताया कि राजापुर में नवजात का कटा सिर मिलने की सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची थी लेकिन घटनास्थल से इस तरह का कोई मामला सामने नहीं आया। वायरल वीडियो की भी जांच कराई जा रही है।

संक्षिप्त

पुलिस वैन में महिलाओं को पीटना शर्मनाक! मेरठ हत्याकांड पर अजय राय का सरकार पर बड़ा हमला

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने मेरठ में महिला ललिता गौतम की हत्या और उसके बाद प्रदर्शन कर रहे परिजनों व समर्थकों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला है। सोशल मीडिया पर गुरुवार को एक पोस्ट शेयर करते उन्होंने आरोप लगाया है कि इस मामले में राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन मूकदर्शक बने हुए हैं। राय ने कहा कि ललिता गौतम की निर्मम हत्या ने पूरे देश को झकझोर दिया है, लेकिन पीड़ित परिवार को अब तक न्याय नहीं मिल सका है। उनका आरोप है कि जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर शांतिपूर्ण ढंग से न्याय की मांग कर रहे परिजनों और समर्थकों पर पुलिस ने बल प्रयोग किया। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों द्वारा पुलिस वैन के भीतर महिलाओं और युवाओं के साथ कथित मारपीट बेहद शर्मनाक और निंदनीय है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने सरकार से सवाल करते हुए कहा कि महिलाओं की सुरक्षा को लेकर किए जाने वाले बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे दावों की इस घटना ने पोल खोल दी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है और सरकार से परिवार को तत्काल सुरक्षा, निष्पक्ष न्याय तथा मामले में दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करती है। राय ने चेतावनी दी कि यदि मामले में जल्द प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो कांग्रेस प्रदेशभर में आंदोलन शुरू करेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी न्याय की इस लड़ाई को अंत तक लड़ेगी।

35 साल बाद कांग्रेस छोड़ गए अशोक सिंह

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के सदस्य अशोक सिंह ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा कांग्रेस अध्यक्ष को भेजते हुए उत्तर प्रदेश कांग्रेस की अनुशासन समिति की कार्रवाई पर नाराजगी जताई है। अशोक सिंह ने कहा कि उन्हें जारी किया गया कारण बताओ नोटिस ही उनके इस्तीफे की प्रमुख वजह बना। अपने इस्तीफे में अशोक सिंह ने लिखा कि वह पिछले 35 वर्षों से कांग्रेस के समर्पित कार्यकर्ता रहे हैं। वह करीब 20 वर्षों तक एआईसीसी सदस्य रहे और इस दौरान संगठन की कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। इससे पहले वह उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी में संगठन मंत्री और लंबे समय तक प्रदेश प्रवक्ता के पद पर भी कार्य कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि 4 जुलाई को उत्तर प्रदेश कांग्रेस की अनुशासन समिति ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया था। नोटिस में उन पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया गया था। अशोक सिंह ने इस कार्रवाई को अनुचित बताते हुए कहा कि उन्होंने एनएसयूआई, युवा कांग्रेस और प्रदेश कांग्रेस संगठन में विभिन्न पदों पर रहते हुए तीन दशक से अधिक समय तक पूरी निष्ठा के साथ पार्टी की सेवा की है। इसके बावजूद इस तरह की कार्रवाई से आहत होकर उन्होंने तत्काल प्रभाव से कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने का फैसला किया। अशोक सिंह ने अपने इस्तीफे की प्रतिलिपि उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी राजेन्द पाल गौतम, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश के प्रभारी सचिव और प्रदेश कांग्रेस की अनुशासन समिति को भी भेजी है।

बिल न भरने से बच्ची का शव रोका, अस्पताल की लापरवाही से गई जान

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर स्थित वात्सल्य अस्पताल पर 9 महीने की बच्ची के इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगा है। परिजनों का कहना है कि बच्ची की मौत के बाद भी अस्पताल प्रशासन ज्यादा बिल वसूलने के खातिर इलाज करता रहा। फिर बिल जमा न होने का हवाला देकर शव ले जाने की अनुमति नहीं दी। इसके बाद परिजनों ने हंगामा कर दिया। उनका आरोप था कि आईसीयू में अनट्रेन्ड स्टाफ की निगरानी में इलाज हुआ, जिसके चलते बच्ची का बीपी बढ़ गया और उसने दम तोड़ दिया। हंगामा बढ़ता देख मौके पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस के बीच बचाव के बाद परिजनों को शव ले जाने की अनुमति दी गई। बाराबंकी के मसौली थाना निवासी लाल बाबू की 9 महीने की बच्ची आस्था की अचानक तबीयत बिगड़ गई। आनन फानन में परिजन बच्ची को लेकर लखनऊ भागे। यहां गोमतीनगर के निजी अस्पताल, वात्सल्य में भर्ती कर उसका इलाज शुरू किया गया। बच्ची के चाचा परवीन गुप्ता ने बताया कि गुरुवार सुबह करीब पांच बजे आस्था को तेज बुखार की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों ने उसे आईसीयू में भर्ती कर इलाज शुरू किया। परिजनों का आरोप है कि आईसीयू में तैनात स्टाफ ने बच्ची की हालत पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया और इलाज में लापरवाही बरती गई। इस बीच महज एक डॉ.बीपी सिंह ही एक बार बच्ची को देखने आए। पर उसके बाद बच्ची की तबीयत बिगड़ती गई पर दोबारा कोई डॉक्टर देखने नहीं आया। जबकि आईसीयू में तैनात अन्य स्टॉफ इंजेक्शन का नाम तक पढ़ नहीं पा रहा था। परवीन का कहना था कि इसी लापरवाही के कारण बच्ची की मौत हो गई। इसके बाद अस्पताल प्रशासन ने बकाया बिल जमा करने तक शव देने से इनकार कर दिया। इसके बाद जब विरोध किया तो मौके पर पुलिस की टीम पहुंची। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद ही बच्ची का शव मिला।

राजधानी में लगातार दूसरे दिन जोरदार बारिश, घंटाघर के सामने डेढ़ फीट जलभराव

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में लगातार दूसरे दिन गुरुवार को भी मानसून की बारिश हो रही है। शहर के सरोजनी नगर, पीजीआई और चारबाग इलाके में दोपहर 12.36 बजे बारिश शुरू हुई। पीजाआई इलाके में एक झोंके की बारिश के बाद से काले बादल छाए हुए हैं। गोमतीनगर में 1 बजे बारिश शुरू हुई। आधे घंटे की बारिश के बाद चौक में घंटाघर के सामने डेढ़ फीट जलभराव हो गया। इससे वहां खड़ी बाइक के पहिये डूब गए। उधर, हजरतगंज स्थित उद्यान विभाग के कार्यालय में प्लास्टर टूटकर गिर गया। इसमें कोई कर्मचारी घायल नहीं हुआ, लेकिन एक कंप्यूटर मॉनिटर टूट गया। सुबह से पूरे शहर में बादल छाए हुए थे। कई इलाकों में रुक-रुककर बूंदाबादी भी हुई। मौसम विभाग ने बारिश और तेज हवाओं का यलो अलर्ट जारी किया है। दिन में बादलों की आवाजाही के बीच आंधी और बारिश की संभावना बनी रहेगी। 30 से 40 किमी की रफ्तार से आंधी भी चल सकती है। आज अधिकतम तापमान 31 और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। पिछले 24 घंटे में रिकॉर्ड 18.4 मिमी बारिश हुई।

पारंपरिक खेल प्रतियोगिता का आयोजन

प्रयागराज। प्रो.राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय परिसर में दीक्षांत समारोह 2026 के उपलक्ष में राज्यपाल सचिवालय के निर्देशानुसार मनाए जा रहे श्दीक्षोत्सव 2026श के अंतर्गत दिनांक 09.07.26 को 'पारंपरिक खेल प्रतियोगिता' का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। श्दीक्षोत्सव का आयोजन विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ.अखिलेश कुमार सिंह जी की अध्यक्षता में हो रहा है। इस प्रतियोगिता का उद्घाटन दीक्षोत्सव के समन्वयक प्रो.आशुतोष कुमार सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. दिव्या द्विवेदी के कुशल नेतृत्व में विश्वविद्यालय के क्रीड़ा परिसर में इन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। आयोजन समिति के सदस्य डॉ. अखिलेश कुमार और खेल प्रशिक्षकों कोच शिवाकांत मिश्रा, राजू पाल, प्रशांत सर, धर्मेंद्र सर के विशेष मार्गदर्शन और देखरेख में यह खेल प्रतियोगिता अत्यंत अनुशासित ढंग से संपन्न हुई। शारीरिक सौष्ठव और मानसिक एकाग्रता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रतियोगिता में मुख्य रूप से पाँच पारंपरिक खेलों को शामिल किया गया था। इनमें नीम्बू-चम्मच दौड़, तीन पैर की दौड़, बोरा दौड़ तथा 100 एवं 200 मीटर की दौड़ शामिल रहे। सभी प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने भारी उत्साह के

साथ भाग लिया और अपनी खेल प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विभिन्न पारंपरिक खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई प्रतिभागियों ने विजेता का खिताब अपने नाम किया। नीम्बू-चम्मच दौड़ में छात्राओं की श्रेणी में स्वर्णिमा यादव और छात्रों की श्रेणी में हर्ष पटेल ने प्रथम, अंकिता पांडे और अनुराग द्विवेदी ने द्वितीय और ज़ीनत क़ादरी और नीरज शुक्ला ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। रोमांचक तीन पैर की दौड़ में महिला वर्ग में कोमल मिश्रा दिव्यानशी गुप्ता ने पहला, अंकिता पांडे और प्रतिभा ने दूसरा और अनमता बानो सृष्टि सिंह की टीम ने तीसरा स्थान हासिल किया। तीन पैर की दौड़ के पुरुष वर्ग में राम गौड़ रवि यादव ने पहला, प्रभात रंजन और यश पांडे की टीम ने दूसरा और अनुपम त्रिपाठी हर्ष पटेल की टीम ने तीसरा स्थान हासिल किया। बोरा दौड़ प्रतियोगिता में महक मिश्रा, हर्षित तिवारी तथा अनमता बानो ने महिला वर्ग में क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर कब्ज़ा जमाया तथा इसी प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में अभय सिंह, हर्ष पटेल और अनुराग द्विवेदी ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। तेज दौड़ प्रतियोगिताओं में, 100 मीटर दौड़ में अनमता बानो और अभय सिंह प्रथम, सृष्टि सिंह और अनुपम त्रिपाठी द्वितीय एवं सिद्धि यादव और हर्ष पटेल तृतीय स्थान पर रहे; वहीं 200 मीटर दौड़ में शिवानी पाल और अभय सिंह ने पहला, सिद्धि यादव और रवि यादव ने दूसरा और अंकिता पांडे और अनुराग त्रिपाठी ने तीसरा स्थान प्राप्त कर अपनी खेल प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन करने के लिए डॉ. उत्कर्ष उपाध्याय, डॉ. अतुल कुमार वर्मा, डॉ. आराधना त्रिपाठी एवं विश्वविद्यालय के अन्य गणमान्य शिक्षक उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय प्रशासन और शिक्षकों ने सभी विजेता प्रतिभागियों को उनकी शानदार उपलब्धि के लिए बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

'आकाशवाणी के सितारे' की सुरमयी शाम में गूंजेंगे सदाबहार गीत, संगीत प्रेमियों को मिलेगा अविस्मरणीय अनुभव

जबलपुर। संस्कारधानी जबलपुर के संगीत प्रेमियों के लिए 10 जुलाई, शुक्रवार की संध्या एक यादगार संगीत उत्सव लेकर आ रही है। "आकाशवाणी के सितारे" परिवार द्वारा शहीद स्मारक, गोलबाजार में सायं 6रू30 बजे आयोजित इस विशेष संगीतमय कार्यक्रम में हिंदी फिल्मों के चुनिंदा सदाबहार गीतों की आकर्षक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आकाशवाणी जबलपुर के उपमहानिदेशक (अभि.) श्री वलीउल्लाह खान होंगे।

संगीत कार्यक्रम तो समय-समय पर आयोजित होते रहते हैं, किंतु "आकाशवाणी के सितारे" की प्रस्तुतियों की अपनी विशिष्ट पहचान है। गीतों का उत्कृष्ट चयन, सुर-ताल का अद्भुत सामंजस्य, कलाकारों की मधुर एवं कर्णप्रिय स्वर-लहरियां, भावपूर्ण प्रस्तुति तथा मंच संचालन की सजीव शैली इस आयोजन को विशेष बनाती है। ऐसा सुरमय वातावरण निर्मित होगा कि प्रत्येक गीत श्रोताओं को अपनी स्मृतियों से जोड़ देगा और कार्यक्रम की मधुर अनुभूति देर तक मन-मस्तिष्क में गूंजती रहेगी।

इस संगीतमय शाम में सुप्रसिद्ध गायक-गायिकाएं शैलना बेंजामिन, सारिका नायक, शालिनी तिवारी, नीलाभ बाजपेयी, रवींद्र दुबे, प्रशांत परमार, तृप्ति नारंग, राजेश दुबे, हर्ष श्रीवास्तव एवं रचना वर्मा अपनी मधुर प्रस्तुतियों से श्रोताओं का मन मोहेंगे। वहीं विशेष अतिथि गायकों के रूप में डॉ. भरत चौहान एवं डॉ. पद्मिनी वरकड़े अपनी विशेष प्रस्तुतियां देंगे।

कार्यक्रम का प्रभावशाली संचालन डॉ. कामना श्रीवास्तव कौस्तुभ एवं हरीश मेहरा करेंगे। कार्यक्रम की भूमिका एवं स्वागत उद्बोधन सुभबीर तलवार प्रस्तुत करेंगे। वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी श्री विपिन यादव शुभकामना संदेश देंगे तथा अंत में डॉ. कामना श्रीवास्तव कौस्तुभ आभार व्यक्त करेंगी।

आयोजकों ने शहर के सभी संगीत प्रेमियों, कला अनुरागियों एवं गणमान्य नागरिकों से आग्रह किया है कि वे सपरिवार इस संगीतमय आयोजन में उपस्थित होकर सदाबहार गीतों से सजी इस अविस्मरणीय संध्या का आनंद लें। साथ ही यह भी बताया गया कि आगामी आयोजनों में देश के प्रतिष्ठित अतिथि गायकों को भी आमंत्रित किया जाता रहेगा।

डिग्रीधारी फाइन आर्ट्स प्रतियोगी छात्रों ने नई नियमावली के समर्थन में अपर शिक्षा निदेशक प्रयागराज व माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन आयोग प्रयागराज को दिया ज्ञापन

प्रयागराज। अशासकीय सहयता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में नई नियमावली के आधार पर कला विषय में स्नातक डिग्री धारी अभ्यर्थियों को एनसीटीई के मानक अनुरूप सरकार ने शासनादेश जारी किया था जिसके समर्थन में आज 9 जुलाई को अपर शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) व माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन आयोग प्रयागराज को फाइन आर्ट्स के डिग्री धारी प्रतियोगी छात्रों ने हाथों-हाथ ज्ञापन दिया। अपर शिक्षा निदेशक एडीए महोदय ने ज्ञापन लेते हुए कहा कि शिक्षा में गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए आयोग व सरकार प्रतिबद्ध है, इसलिए एनसीटीई के मानकों के अनुरूप ही आगामी

विज्ञापन नई नियमावली के अनुरूप ही योग्य शिक्षकों को मौका मिलेगा जिसके लिए आयोग व सरकार प्रतिबद्ध है ज्ञापन देने पहुंचे फाइन आर्ट्स के छात्रों में ओमप्रकाश यादव, नीरज कुमार कुशवाहा, अवनीश कुमार, अनुज कुमार, दीपक कुमार, साधना पटेल, राम प्रताप, प्रीति देवी, उमानाथ यादव,भोला नाथ सरोज सूर्य प्रकाश रविंदर विश्वकर्मा, सचिन, आदि शामिल हुए।

लखनऊ इकाई की काव्य गोष्ठी संपन्न

लखनऊ। शहर समता लखनऊ समूह की मासिक आभासी गोष्ठी संपन्न हुई। गोष्ठी में अध्यक्षता श्रीमती मंजू सक्सेना ने की। गोष्ठी में शिल्पी चतुर्वेदी, रश्मि लहर, रजनी गुप्ता श्पूनम चंद्रिकाश, सहित अनेक कवयित्रियों ने अपनी रचनाओं से रंग जमा दिया। इरा जौहरी ने श्अर्धनारीश्वर ने रचा है यह सुन्दर संसार, नर नारी मिल कर करे भवसागर पार ।

"इरा" की नजर में हर इंसान हो जाता है निहाल पाकर अपने अपनों का प्यार ।।ष सुनाकर गोष्ठी को ऊँचाई प्रदान की।

पुष्पा गुप्ता दोसर, लखनऊ ने षफिजाओं में, गलियारों में, झूमते आम डालों में।

कभी तोतों की चोंचों में, कभी थाली की चटनी मेंष सुनाकर सबको आनंदित कर दिया। वहीं अपर्णा गुप्ता ने सफल मंच संचालन किया तथा अपनी प्रभावशाली रचना -आया सावन आया सावन। सबके मन को भाया सावन।

सावन की पहली बारिश में, झंकृत हुआ मन का आंगनष सुनाकर तालियां बटोरीं। अंत में आभार व्यक्त कर गोष्ठी का समापन किया गया।

दादुर गाते गीत

(छप्पय)

तपन पी रही वृष्टि,सुवासित हो हरियाली।
भरे पात में प्राण,झूमती डाली- डाली।
टप टप गिरती बूँद,दामिनी चम चम चमके।
नभ से उलचे नीर,मेघ बस उमड़-घुमड़ के।
खुशहाली चहुँ ओर है, पावस ऋतु की भोर है।
चातक की तृष्णा मिटी,रोपाई का जोर है।।

सघन हो रहे मेघ,धूल सुनकर घबराई।
शीतल मधुर बयार,सुखद पल लेकर आई।
नर्तन करते वृक्ष,महकती धरती सारी।
दादुर गाते गीत,सुहावन लगती घाटी।
घन आच्छादित आसमाँ,धरणी को करके हरित।
उत्सव के हर रंग से,करती उसे ललित कलित।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

समस्याओं का त्वरित समाधान, 89.41 लाख रुपये के जीपीएफ का भुगतान

संध्या संवाद में औपचारिकताएं पूरी कराकर दिलाया भुगतान

लखनऊ (संवाददाता)। योगी सरकार प्रदेश में सुशासन, पारदर्शिता और जनसमस्याओं के समयबद्ध समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए शासन स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं, जिनसे आम नागरिकों के साथ कर्मचारियों और सेवानिवृत्त कार्मिकों की समस्याओं का भी त्वरित समाधान सुनिश्चित हो सके। देवीपाटन मंडल में मंडलायुक्त दुर्गा शक्ति नागपाल ने संध्या संवाद कार्यक्रम के जरिये लोगों की समस्याओं का समाधान कराया।देवीपाटन मंडल के श्रावस्ती में संध्या संवाद कार्यक्रम के सकारात्मक परिणाम सामने आए, जहां सेवानिवृत्त कर्मचारियों के जीपीएफ एवं अन्य सेवा संबंधी देयों का भुगतान कराया गया। कुल 89 लाख 41 हजार 612 रुपये की जीपीएफ धनराशि संबंधित कर्मचारियों के खातों में पहुंचाई गई। सेवानिवृत्त कर्मचारियों के चेहरे भुगतान मिलने के बाद खुशी से खिल उठे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अधिकारियों को निर्देश देते रहे हैं कि जनशिकायतों का निस्तारण केवल औपचारिकता न बनकर संवेदनशीलता, जवाबदेही के साथ किया जाए। उनकी प्राथमिकता है कि आम जनता से लेकर कर्मचारियों तक किसी भी व्यक्ति को अपने वैधानिक अधिकारों के लिए भटकना न पड़े। कई सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने शिकायत रखी कि उनका जीपीएफ तथा अन्य सेवा संबंधी भुगतान लंबित है। मंडलायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। इसके बाद जिलाधिकारी श्रावस्ती अन्नपूर्णा गर्ग ने संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित किया। जिला प्रशासन ने सभी आवश्यक औपचारिकताएं तेजी से पूरी कराईं। परिणामस्वरूप जीपीएफ भुगतान का सफलतापूर्वक निस्तारण हो सका। सेवानिवृत्त कर्मचारी प्रकाश नारायण पाठक, राजेंद्र प्रसाद पाण्डेय, सुनील श्रीवास्तव, प्रेम नारायण वर्मा, कौशल्या देवी, अवधेश कुमार तथा भगवान दीन वर्मा सहित अन्य पात्र कर्मचारियों को उनके सेवा संबंधी देयों का भुगतान कराया गया। सभी लाभार्थियों को मिलाकर कुल 89 लाख 41 हजार 612 रुपये की धनराशि वितरित की गई।

विवाहिता का फंदे पर लटका शव मिला, भाई बोला, जीजा ने मारा

लखनऊ (संवाददाता)। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के खुजौली गांव में आज गुरुवार दोपहर 12 बजे घर के अंदर एक विवाहिता का फंदे पर लटका शव मिला। इसकी सूचना उसकी ननद ने फोन कर मायके में दी। इसके बाद मायके से कई लोग पहुंच गए। वहां पर मृत महिला के भाई ने आरोप लगाया कि जीजा और उनके भाई ने मार डाला। हत्या कर भाग गए थे। पुलिस आई तब लौटकर आए। खुजौली गांव के छोटू की शादी 10 साल पहले 4 किलोमीटर दूर गणेश खेड़ा गांव की गुड़िया से हुई थी। दोनों के 6 साल का बेटा और 8 साल की बेटी है। छोटू का गाड़ियों का धुलाई सेंटर है। आज गुड़िया का शव संदिग्ध परिस्थितियों में साड़ी के सहारे लटका मिला। गुड़िया के भाई हिमांशु ने अपने जीजा (गुड़िया के पति) छोटू और उनके भाई सुनील पर हत्या का आरोप लगाया है। मृतका के भाई हिमांशु ने आरोप लगाया है कि जीजा (छोटू) अक्सर दीदी के साथ मारपीट करता था। हिमांशु ने कहा बीते बुधवार को भी छोटू और उसके बड़े भाई ने गुड़िया के साथ मारपीट की थी। इस घटना की जानकारी गुड़िया के बच्चों ने फोन पर हमको बताया।

साले को गोली मारने वाला जीजा गिरफ्तार, सरेंडर करने से पहले पुलिस ने पकड़ा

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के कैसरबाग इलाके में साले को गोली मारने वाले आरोपी मोहम्मद इलियास का एक ऑडियो सामने आया है। जिसमें वह साले को धमकी दे रहा है जिसमें वह साले को धमकी देते हुए कह रहा है कि तुम्हारा भी परिवार है, इसका रिजल्ट तुमको 3 दिन के अंदर मिल जाएगा। कोई फायदा नहीं तुम्हारे घर में मातम हो। इसके बाद घर जाकर गोली मार दिया। फिलहाल कैसरबाग पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। चौक के राजा बाजार स्थित मुर्तजा हुसैन रोड निवासी मोहम्मद इलियास का अपनी पत्नी से लंबे समय से पारिवारिक विवाद चल रहा था। बुधवार को वह अपनी ससुराल तालाब गगनी शुक्ल खदरा बाजार पहुंचा, जहां कहासुनी के दौरान उसने अपने साले फाजिल हुसैन (40) पर तमंचे से फायर कर दिया।

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्याः- 230-वि0/कार्यवि0/प्रयागराज/ई-टेण्डर/2026/644 दिनांकः 07.07.2026

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/कार्यवि0/उत्तर/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा सं.: 230-कार्यवि0-कार्य टेका-1033-2026

कार्य का विवरणः प्रयागराज मंडल के अंतर्गत चुनार स्टेशन पर 2 पैक हैंडलिंग क्षमता प्रदान करने हेतु, और दीनदयाल उपाध्याय-प्रयागराज खंड में टीएसआर (P) & टीजीआर (P) कार्यों के कारण 25 केवी ओएचई में संशोधन का कार्य (2nd Call)।

अनुमानित लागतः रु. 85,77,631.34 | बिड सुरक्षा राशिः रु. 1,71,600.00

निविदा बन्द होने की तिथि तथा समयः 29.07.2026, 14:00 बजे | बोली प्रणालीः एक पैकेट

निविदा खुलने की तिथि तथा समयः 29.07.2026, 15:00 बजे | कार्य अवधिः 12 महीना

नोटः(1) उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। (2) उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु केन्द्रों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत कराऐं। (3) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1557/26 (D)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

सम्पादकीय.....

शर्मसार हैं हम

अब आए दिन देश के प्रिंट मीडिया से लेकर अन्य सूचना माध्यमों में यौन अपराधों की विचलित करने वाली घटनाएं सुर्खियों में रहती हैं। यौन लिप्साओं का यह विस्फोट विचलित करने वाला है। कोई निर्भया, किसी के साहस के बूते अपने साथ हुए अन्याय को उजागर कर देती है, वहीं देश की अनेक निर्भयाएं यौन हिंसा व क्रूरता के बावजूद गुमनामी के अंधेरे में त्रास झेलने को अभिशप्त हो जाती हैं। हाल की दो घटनाओं ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। राजस्थान के श्रीगंगानगर में बारह वर्षीय बालिका को चार दिन बंधक बनाकर दो दर्जन लोगों द्वारा दुराचार किया गया। इस मामले में 18 अभियुक्त गिरफ्तार किए गए हैं और कुछ गिरफ्तारियां बाकी हैं। दूसरी घटना पश्चिम बंगाल की है जहां बारुईपुर में एक किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई। शव परीक्षण में पाया गया कि उसके सिर व निजी अंगों पर गंभीर चोटें थी। इतना ही नहीं, दुराचार के बाद उसे बोरे मे बंद करके जिंदा ही तालाब में डुबो दिया गया। दोनों ही घटनाएं विचलित करने वाली हैं, लेकिन श्रीगंगानगर की घटना हर संवेदनशील इंसान को हिला देने वाली है। जनाक्रोश के चलते प्रशासन ने न केवल 18 लोगों को गिरफ्तार किया बल्कि उन होटलों को भी ध्वस्त किया गया जहां अलग–अलग जगहों में बच्ची को बंधक बनाकर देह व्यापार कराया गया। निस्संदेह, मोबाइल के बढ़ते हस्तक्षेप से परिवार संस्था की चूलें हिली नजर आती हैं। कथित सोशल मीडिया समाज में विद्रूपताओं को जन्म दे रहा है। श्रीगंगानगर की बारह वर्षीय लड़की शहर से सौ किमी दूर अपने एक इंस्टाग्राम फ्रेंड से मिलने जाती है, जो उससे वहां दुराचार करता है। वहां से देर रात शहर लौटने पर एक रिक्शेवाले के झांसे में आकर होटल पहुंचती है और फिर उसके साथ दुराचार का अंतहीन सिलसिला शुरू हो जाता है। परिजनों के लापता किशोरी के तलाश में थाने पहुंचने के बाद पुलिस हरकत में आती हैं, फिर उसे मुक्त कराया जाता है।

निस्संदेह, ये घटनाएं इंसानियत को शर्मसार करने वाली हैं। इस राक्षसी कृत्य से उद्वेलित लोग श्रीगंगानगर की सड़कों पर उतर आए। क्षुब्ध लोगों ने मशाल जुलूस निकालकर कानून के रखवालों के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया। जनाक्रोश को देखते हुए 18 लोगों की गिरफ्तारी हुई। कुछ और गिरफ्तारियां हो सकती हैं। लेकिन सवाल यह कि भारतीय समाज में हो रहे यौन लिप्साओं के विस्फोट की वजह क्या है? ये नैतिक पतन की पराकाष्ठा क्यों हो रही है? हवस के भूखे भेड़िए न उम्र देखते हैं, न किसी बेटी की बेबसी। उस किशोरी के साथ हुई बर्बरता के बारे में सोचकर भी रूह कांपती है। जो शायद ही जीवनभर इस त्रासदी से उबर पाये। कहीं न कहीं इंटरनेट व सोशल मीडिया पर यौन स्वच्छंदता की पश्चिम की आंधी हमारे समाज को पतित कर रही है। हमारे परंपरागत शुचिता के रिश्तों को तार–तार करके निरंकुश यौन व्यवहार को तार्किक बताने की साजिश रची जा रही है। हम बच्चों को रामराज के संस्कार देते हैं, जबकि समाज में दानवराज का वर्चस्व बढ़ता जा रहा है। बच्चों को भी त्याग–तपस्या से लालन–पालन करने वाले मां–बाप की बजाय आभासी दुनिया के छद्म मित्र रास आ रहे हैं। जिसके सम्मोहन में यह किशोरी घर से निकली और उसका पहला शिकार बनी। हवस के भेड़िये भी परिस्थितियों की मारी लड़कियों को ही अपने शिकंजे में लेते हैं। ऐसे में बेटियों को भी घर से निकलते वक्त समय की संवेदनशीलता और लोगों की विश्वसनीयता को परखना चाहिए। घर वालों से चोरी–छिपे अनजान लोगों पर यकीन करने की वजह से अकसर बेटियां अपराधियों की आसान शिकार बनती हैं। यौन अपराधों के उफान के दौर में पुलिस और स्त्री रक्षा से जुड़ी एजेंसियों को भी नये दौर की नई चुनौतियों के मुताबिक तैयार करना होगा। इसमें चाइल्ड वेलफेयर से जुड़ी संस्थाओं की सजगता –सक्रियता बढ़ाने तथा पॉक्सो व जुवेनाइल जस्टिस एक्ट को सख्त बनाने की जरूरत है। अभिभावक व स्कूल–कालेज बच्चियों को यौन–हिंसा से बचने और आत्मरक्षा से जुड़े विषयों पर गंभीर चर्चा करें। यदि इस दिशा में गंभीर पहल नहीं हुई तो पश्चिमी देशों द्वारा भारत पर लगाए जा रहे 'रेप कैपिटल' के आरोप हकीकत समझे जाने लगेंगे।

एसआईआर: कमजोर पर वार!

राजेंद्र शर्मा

देश की 23 विपक्षी पार्टियों ने संयुक्त रूप से चिट्ठी लिखकर देश के सर्वोच्च न्यायालय से देश में जनतंत्र को बचाने के लिए हस्तक्षेप करने की गुहार लगायी है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह शायद पहला ही मौका है, जब विपक्ष ने इस तरह सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। विपक्ष के इस कदम में, एक प्रकार की लाचारी भी छुपी है। चिट्ठी का अंत इस यथार्थ स्थिति के बयान पर होता है कि अगर इस अदालत के दरवाजे से भी न्याय नहीं मिलता है, तो शायद न्याय के लिए खटखटाने के लिए और कोई दरवाजा ही नहीं रह जाएगा! याद रहे कि जिन विपक्षी पार्टियों ने मिलकर यह गुहार लगायी है, संसद में भले ही अल्पमत में हों, पर वास्तव में जनमत के सत्ता पक्ष के मुकाबले कुछ न कुछ बड़े हिस्से का ही प्रतिनिधित्व करती हैं, छोटे हिस्से का नहीं। जनमत के उल्लेखनीय हिस्से की इस गहरी चिंता से इसका बखूबी अंदाजा लगाया जा सकता है कि मोदी राज में भारत में जनतंत्र पर कितना भारी खतरा छाया हुआ है। हैरानी की बात नहीं है कि विपक्षी पार्टियों की इस चिट्ठी में सबसे प्रमुख रूप से चुनाव आयोग की भूमिका का सवाल उठाया गया है, जिसने जनतांत्रिक चुनाव के निष्पक्ष एंपायर की अपनी संविधान में कल्पित भूमिका का करीब–करीब त्याग ही कर दिया है और एक तरह से सत्ताधारी टीम में ही शामिल हो गया है। इस संदर्भ में चिट्ठी में यह भी याद दिलाया गया है कि किस तरह, अनूप बरनवाल बनाम भारतीय संघ मामले में सर्वोच्च न्यायालय के ही संसदीय पीठ ने, चुनाव आयोग की कार्यपालिका से स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के पक्ष में जो फैसला दिया था और इसके लिए सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश, देश के प्रधानमंत्री और नेता विपक्ष के तीन सदस्यीय पैनल द्वारा मुख्य चुनाव आयुक्त तथा चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति किए जाने का जो आदेश दिया था, उसे मोदी राज ने संसद में अपने बहुमत के बल पर, एक नया कानून लाकर पूरी तरह से ही उलट दिया। अब तीन सदस्यीय पैनल में से मुख्य न्यायाधीश को हटाकर, उनकी जगह पर प्रधानमंत्री द्वारा नामजद उनके एक मंत्रिमंडलीय सहयोगी को लाया जा चुका है और इस तरह चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की प्रक्रिया पर कार्यपालिका का पूर्ण नियंत्रण स्थापित हो चुका है। नतीजा यह है कि आज चुनाव आयोग की भूमिका जितनी विवादास्पद हो गयी है, इससे पहले कभी भी नहीं थी। चुनाव आयोग की विवादास्पद भूमिका के संबंध में जहां स्वाभाविक रूप से विधानसभाई चुनावों के हाल के चक्र में और विशेष रूप से प. बंगाल तथा असम में उसके अनेक विवादास्पद निर्णयों की ओर इशारा किया गया है, वहीं आयोग के जिस एक निर्णय की इस संयुक्त पत्र में अपेक्षाकृत विस्तार से चर्चा की गयी है, वह है मतदाता सूचियों का विशेष सघन पुनरीक्षण कराने का चुनाव आयोग का इकतरफा फैसला। याद रहे कि मतदाता सूचियों को शुद्धता सुनिश्चित करने के नाम पर, चुनाव आयोग द्वारा बिहार में विधानसभा चुनाव से चंद महीने पहले हड़बड़ी में जब यह प्रक्रिया शुरू की गयी थी, तभी से इस प्रक्रिया की जरूरत, उपयुक्तता तथा वैधता पर सवाल उठ रहे थे। जिस तरह लगभग असंभव समय सीमाओं के साथ, मतदाता सूचियां लगभग नये सिरे से तैयार कराए जाने का प्रयास किया जा रहा था, उस हड़बड़ी के अलावा और उससे भी महत्वपूर्ण रूप से, इस पूरी प्रक्रिया को दस्तावेजी साक्ष्यों के सहारे नागरिकता परीक्षण यानी पिछले दरवाजे से राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर थोपे जाने में तब्दील किए जाने पर, शुरू से गंभीर सवाल उठाए जा रहे थे। बहरहाल, इन सभी सवालों को इस झूठे सांप्रदायिक प्रचार से दबाने की कोशिश की कि यह कसरत वास्तव में मतदाता सूचियों से विदेशियों को छानकर निकालने के लिए जरूरी थी। लेकिन, जब बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया पूरी हो गयी, इस प्रक्रिया में छनकर निकले विदेशियों की संख्या सैकड़ों तो क्या दर्जनों में भी नहीं थी, जिसकी वजह से पत्रकारों के बार–बार पूछने के बावजूद, चुनाव आयोग से यह बताते नहीं बना कि बिहार में कितने विदेशी नागरिक मतदाता बने पाए गए थे। इसके बावजूद, चुनाव आयोग ने बिहार के बाद दूसरे चरण में देश के करीब आधे राज्यों पर, जिनमें इसी साल के पूर्वार्द्घ में विधानसभाई चुनावों की तैयारी कर रहे बंगाल समेत चार राज्य तथा एक केंद्र शासित प्रदेश शामिल थे, न सिर्फ एसआईआर थोप दिया बल्कि एक ओर केंद्रीय सत्ता व सत्ताधारी संघ–भाजपा और दूसरी ओर चुनाव आयोग की जुगलबंदी के सहारे, एसआईआर की प्रक्रिया को श्घुसपैठियोंश को निकालने के लिए मतदाता सूचियों की गहरी श्छनाईश के रूप में पेश किया जाना जारी रहा। बिहार में जब एसआईआर की प्रक्रिया शुरू हुई, तभी से यह ध्यान दिलाया जा रहा था कि दस्तावेजी साक्ष्यों से नागरिकता को प्रमाणित करने को प्राथमिकता देने वाली यह प्रक्रिया, आर्थिक व सामाजिक रूप से कमजोर तबकों यानी भूमिहीनों, अनपढ़ों, दलितों, महिलाओं, अल्पसंख्यकों आदि को, मतदाता सूचियों से बाहर करने और उनका मताधिकार छीनने का काम करेगी। और ठीक यही हुआ भी। हालांकि, आशंकाओं के विपरीत, मुस्लिम अल्पसंख्यकों की बहुत बड़ी संख्या को बाहर नहीं किया जा सका और दूसरी ओर, प्रवासी मजदूरों की खासतौर पर बड़ी संख्या पर इस छंटाई की गाज गिरी, फिर भी इस प्रक्रिया में जो 65 लाख नाम मतदाता सूचियों से हटाए गए, उनमें से मृतकों की श्रेणी के 22 लाख और एक से ज्यादा जगह नाम की श्रेणी के 7 लाख नामों को छोड़ भी दें तो, 36 लाख यानी कुल मतदाताओं के 5 फीसद से ज्यादा के नाम, उनके जिंदा होते हुए काट दिए गए। इनमें आर्थिक तथा सामाजिक रूप से कमजोर तबकों के यानी भूमिहीनों, अनपढ़ों, दलितों, महिलाओं तथा मुसलमानों के नाम, आबादी में उनके अनुपात की तुलना में उल्लेखनीय रूप से ज्यादा थे। यानी यह अपनी संरचना से ही, कमजोर तबकों के मताधिकार छीनने का हथियार है। बहरहाल, दूसरे चरण में और खासतौर पर बंगाल में, एसआईआर को चुनाव को और सीधे–सीधे प्रभावित करने के हथियार में तब्दील कर दिया गया। चूंकि इस राज्य में केंद्र की सत्ताधारी पार्टी की विरोधी पार्टी सत्ता में थी, संभावित विपक्षी मतदाताओं पर सामान्य रूप से बड़े पैमाने पर कैंची चलाना मुश्किल था। इसलिए, एसआईआर के पहले चरण के बाद, चुनाव आयोग ने समूची प्रक्रिया को बाहर से लाए गए केंद्रीय शासन के वफादार अधिकारियों के हाथों में सौंपने के अलावा एक ऐसे अमोघ अस्त्र का प्रयोग किया, जिसका एसआईआर की प्रक्रिया में भी इससे पहले प्रयोग नहीं किया गया था। एक अपरीक्षित साफ्टवेयर के सहारे, सवा करोड़ से ज्यादा मतदाताओं को श्तार्किक विसंगतिश की एक नयी ईजाद की गयी श्रेणी में डाल दिया गया। बेशक, बाद में यह संख्या यहां से नीचे आयी, फिर भी करीब 87 लाख लोगों का मताधिकार खतरे बना रहा और सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद, न्यायिक सुनवाइयां शुरू होने के बाद भी, अपना नाम काटे जाने को चुनौती देने वाले 27 लाख मतदाताओं के मामले में मतदान की तरीख तक भी कोई फैसला नहीं हो सका और अपने नाम न्यायाधीन होने के चलते वे मताधिकार से वंचित हो गए। याद रहे कि न्यायिक ट्रिब्यूनलों द्वारा ऐसे जिन कुछ सौ नामों का फैसला मतदान की तारीख तक किया जा सका था, उनमें से करीब 95 फीसद मामलों में फैसला, मताधिकार के पक्ष में गया था। साफ था कि यह बिना किसी आधार के, अंधाधुंध तरीके से मताधिकार छीने जाने की कोशिश थी। इसमें भी बंगाल में वह भी हुआ जो मिसाल के तौर पर बिहार में नहीं हो पाया था। इस तरह मताधिकार गंवाने वालों में और उससे भी बढ़कर तार्किक विसंगति के नाम पर मताधिकार गंवाने वालों में, कुल मिलाकर मुस्लिम अल्पसंख्यकों का हिस्सा, आबादी में उनके अनुपात से उल्लेखनीय रूप से ज्यादा था। कई ज्यादा मुस्लिम आबादी वाले चुनाव क्षेत्रों में तो यह साफ तौर पर मुस्लिम वोटों की लक्षित छंटाई का मामला था, जिसने कई सीटों पर तो चुनावी उलट–फेर भी किया लगता है।

अब जबकि चुनाव हो चुका है और बंगाल में भाजपा की सरकार भी बन चुकी है, 27 लाख न्यायाधीन मतदाताओं के मताधिकार पर अनिश्चित बनी ही हुई है। इसी दौरान, बंगाल में तथा बिहार आदि अन्य भाजपा शासित राज्यों में भी, सरकारों ने मतदाता सूचियों से हटाए गए नामों को नागरिक सुविधाओं व सरकारी योजनाओं के दायरे से भी बाहर करने का सिलसिला शुरू कर दिया है।

लगता नहीं मामला मैनेज हो पाएगा

अरविन्द मोहन

राममंदिर के चढ़ावा में चोरी के लगभग सत्तर मामलों में पक्के सबूत मिलने के बाद भी मंदिर ट्रस्ट और उत्तर प्रदेश शासन द्वारा गठित एसआईटी की कार्रवाई का पहला दौर बीत जाने के बाद भी भरोसा नहीं हो रहा है कि मामले के दोषियों को सजा मिल पाएगी या असली अपराधी और मंदिर आंदोलन के असली लाभार्थियों का कभी बाल भी बांका हो पाएगा। इतना जरूर होगा कि कुछ दोषी पकड़े जाएंगे और शायद थोड़ी सजा भी पा जाएंगे। यह भी होगा ही कि आगे से प्रबंधन थोड़ा ज्यादा चौकस होगा और विश्व हिन्दू परिषद को चन्दा संबंधी गड़बड़ी पर नोटिस देने वाले विश्वबंधु गुप्त को परेशान करने से लेकर अयोध्या में जमीन रजिस्ट्री के स्पष्ट घोटाले जैसे मामले सामने आने पर आंख बंद नहीं किया जाएगा। लेकिन आम लोगों के नजरिया से हुए इस महापाप की सजा, प्रायश्चित्त और मंदिर आंदोलन के श्पुण्य–प्रतापश से सत्ता में बैठने और मालामाल होने वालों तक इस कांड की आंच पहुंचेगी इसकी संभावना कम ही लगती है। सारा कुछ राजनीतिक नुकसान कम करने के प्रबंधन से जुड़ा लग रहा है। अभी तक एक भी कदम दोषियों को पकड़ने और सजा दिलाने की तरह ठोस उठाया नहीं लगता–बुलडोजर चलना और इनकाउंटर करने का यूपी का मॉडल लागू करने का तो कोई वकालत भी नहीं कर सकता। जो खबरें आई हैं उनके अनुसार मंदिर ट्रस्ट के प्रमुख नृत्य गोपाल दास समेत सभी सदस्य बहुत गुस्से में थे लेकिन किया इतना ही कि इस्तीफा दे चुके सदस्यों का इस्तीफा मंजूर कर लिया गया। शायद इसे न मानने का प्रावधान भी नहीं है। उधर मुख्य कर्ताधर्ता चंपत राय यह संकल्प दोहराते घूम रहे हैं कि वे यह अपयश लेकर अयोध्या से वापस नहीं जाएंगे। उनके पक्ष में कथित संत समाज के कुछ लोग खुला समर्थन घोषित करने लगे हैं और एसआईटी ने उनको और उनके चेले को बरी ही कर दिया। पहली नजर में यह मामला आरोपी द्वारा खुला घूमने की स्थिति का लाभ लेने का लगता है और वे जांच या दंड प्रक्रिया को प्रभावित करते दिखते हैं। अजीब यह है कि कोषाध्यक्ष महाराज भी खुलेआम कह रहे हैं कि उनको चढ़ावा और चन्दा से कोई लेना–देना नहीं रहा है। एक और वरिष्ठ नृपेन्द्र मिश्र सब कुछ बीतने पर प्रकट हुए और ऐसा बयान दिया जैसे इस प्रकरण से उनका कोई लेना–देना ही नहीं है। संसद में नया कानून बनाकर मंदिर का नया प्रशासन देने वाले या उत्तर प्रदेश में शासन संभालने और रामराज्य लाने का दावा करने वाले दूध का दूध और पानी का पानी करने के अलावा ज्यादा कुछ करते नजर नहीं आये हैं। चोरी का मामला सामने आने के बाद एफआईआर दर्ज कराने से लेकर एसआईटी में ट्रस्ट प्रशासन के लोगों को रखने और जांच की अवधि बढ़ाने जैसी बुनियादी गलतियों को अगर आप चूक मान लेंगे तो आपसे इस बड़े अनैतिक अपराध की गंभीरता और उसके प्रायश्चित और सजा के प्रसंग में उससे भी बड़ी चूक हो जाएगी। असल में यह मान–मनव्वल से रिकवरी करा कर मामले को रफा–दफा कराने और दोषियों को थोड़ा बहुत डांट–फटकार देने का प्रयास हो सकता है। कल जो दान के कीमती सामान प्रदर्शित हुए उसमें कुछ इसी तरह रिकवर हुए हो सकते हैं। चोरी के ठोस प्रमाण के बाद अपराधियों को खुला छोड़ना और बाद में कुछ को पुलिस रिमांड की जगह न्यायिक हिरासत में भेजने का फैसला इसी के चलते हुआ होगा। अभी भी ट्रस्ट किस अधिकार से अपनी कार्यपद्धति में बदलाव और सीईओ जैसा पद बनाने का फैसला कर रहा है यह साफ नहीं है। हम जानते हैं कि पंद्रह दिन में फैसला होने की अवधि किस तरह बढ़ती गई है और अब ट्रस्ट दोबारा पंद्रह दिन बाद बैठेगा तब तक उस पर काफी कुछ धूल बैठ चुकी होगी। जिस तरह विनय कटियार जैसे लोग एक दिन एक सुर में बोलते हैं और अगले दिन पलट जाते हैं। यह मैनेजमेंट की संघ की स्टाइल है। संघ और भाजपा का मैनेजमेंट स्टाइल अब अनजान भी नहीं है। और उसमें किन–किन चीजों का प्रयोग होता है और हो सकता है यह अज्ञात नहीं है। लेकिन इस बार एक खास बात है। इस बार असली नाराजगी उन साधु संतों में है जिनको राम के नाम से तो मतलब है लेकिन जिनको सत्ता और राजनीति से कोई खास मतलब नहीं है। उनको धन का भी वैसा मोह नहीं है। अब यह जरूर है कि उनकी सहमति से ही अब तक मंदिर आंदोलन में भाजपा शामिल हुई थी और इससे आंदोलन बड़ा हुआ और मंदिर निर्माण संभव हुआ। लेकिन जब मंदिर एक संप्रदाय की मिल्कियत की चीज है तो उसके लोग संघ और भाजपा से दूरी बना सकते हैं या उनको ट्रस्ट से बाहर रखने का फैसला ले सकते हैं। यह बहुत दूर की कौड़ी लग सकता है लेकिन हिन्दू परंपराओं में इस किस्म का स्पष्ट विभाजन रहा है। अभी तक किसी शंकराचार्य द्वारा भगवान राम के मंदिर में जाकर दर्शन न करना भी उससे जुड़ा है और इसे कोई अपराध नहीं मानता। अब महंत नृत्य गोपाल दास और उनके सहयोगी इस महापाप के प्रायश्चित और अपराधियों को दंड दिलाने के लिए अपने कामकाज में इतनी सफाई लाते हैं या चुप हो जाते है (मैनेज हो जाते हैं) यह देखने की चीज होगी। यह अपराध जितने बड़े पैमाने का है और अभी तक समाज में जो प्रतिक्रिया दिखती है उसमें सिर्फ प्रबंधन कौशल से काम हो जाए और सारे लोग मैनेज हो जाएं यह संभव नहीं लगता है। यह भरोसा टूटने का मामला है–राजनैतिक भरोसा नहीं आस्था और धार्मिक भरोसा टूटने का मामला है। इसमें सेकुलरिज्म छोड़ने और उसका मजाक उड़ाने तक की बात तो मैनेज हो गई थी लेकिन हिन्दू आस्था के साथ हुआ खिलवाड़ और उसमें सबसे ताकतवर लोगों की सहमति या लापरवाही या गैरजिम्मेदारी का सवाल भी जुड़ा हुआ है। जिन लोगों ने नोटबंदी की असफलता को, कृषि कानूनों पर असफलता को, कोविड की तालाबंदी के दुष्प्रभावों को जैसे–तैसे मैनेज कर लिया उनके लिए भी इस प्रसंग को संभालना मुश्किल रहेगा।

सतलुज पर प्रतिबंध से उठते सवाल

आजादी के बाद भारत ने जिस उदार लोकतांत्रिक व्यवस्था को अपनाया, उसके कारण विश्व मानचित्र में भारत का विशेष स्थान बना। इस व्यवस्था में आम जनता को अपनी सरकार चुनने के साथ–साथ अभिव्यक्ति की आजादी भी हासिल हुई, जो लोकतंत्र के लिए अनिवार्य है। लेकिन उस आजादी पर बार–बार पहरा लगाना स्वस्थ लोकतंत्र की निशानी नहीं है। इसका ताजा उदाहरण ओटीटी प्लेटफॉर्म जी–5 पर प्रदर्शित फिल्म पर प्रतिबंध के तौर पर सामने आया है। गायक–अभिनेता दिलजीत दोसांझ अभिनीत फिल्म सतलुज तीन जुलाई को जी–5 पर रिलीज हुई थी, लेकिन पांच जुलाई को इसे प्लेटफॉर्म से हटा दिया गया था। यह फिल्म मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा के जीवन पर आधारित है, जिन्होंने खालिस्तान आंदोलन के दौरान बड़ी संख्या में लापता हुए लोगों और लावारिस लाशों का मुद्दा समाज के सामने लाया था और इसमें तत्कालीन पंजाब पुलिस पर बड़े सवाल उठे थे। इस गंभीर मुद्दे को उठाने की कीमत उन्हें अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। लेकिन अब उनके इस जीवन संघर्ष और इंसाफ की लड़ाई को सरकार जनता के सामने नहीं आने देना चाहती है। गौरतलब है कि पहले यह फिल्म श्पंजाब श्95श नाम से बनी, जिसे बाद में श्सतलुजश नाम से प्रदर्शित होने की अनुमति मिली, और इसमें कई सारे दृश्यों पर सेंसर की कैंची चली। हालांकि उसके बावजूद फिल्म को दो दिन में ही हटाने का आदेश भी हो गया, जो सोशल मीडिया के इस जमाने में हास्यास्पद लगता है। जब एक बार कोई चीज लोगों के मोबाइल, लैपटॉप पर आ जाती है तो उसे डाउनलोड करना कठिन नहीं है। फिर जिस चीज को जितना लोगों से दूर करने की कोशिश की जाती है, उतना लोग उसे देखना चाहते हैं, यह सहज मानवीय प्रवृत्ति है। तो अगर सरकारें ऐसा सोचती हैं कि कोई फिल्म दो दिन के प्रदर्शन के बाद प्रतिबंधित करने से वह लोगों से दूर हो जाएगी, तो यह उसकी खुशफहमी है। प्रधानमंत्री मोदी पर बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री भी ऐसे ही प्रतिबंधित की गई, लेकिन फिर भी दुनिया भर में लोगों ने उसे देखा। अब सवाल यह है कि आखिर एक असल कहानी को पर्दे पर दिखाने से सरकार को ऐतराज क्यों हुआ। क्यों सरकार एक मानवाधिकार कार्यकर्ता पर हुए पुलिसिया अत्याचार को दिखाने पर रोक लगा रही है। जो कुछ अतीत में हुआ वह आज के प्रतिबंध लगाने से लोगों की स्मृति से मिटने वाला नहीं है। बल्कि उसे कई और तरीकों से सामने लाने की कोशिश होती ही रहेगी। बता दें कि मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा 1980–90 के दशक में पंजाब में चरमपंथ के दौर में लापता लोगों की तलाश करते हुए एक दिन खुद ही लापता हो गए और बाद में सीबीआई की रिपोर्ट में बताया गया कि पुलिस अधिकारियों ने 6 सितंबर 1995 को उन्हें उनके आवास से ही अगवा कर लिया था। दरअसल 1980 और 90 के दशक में पंजाब में आतंकवादी घटनाओं के साथ पुलिस प्रताड़ना, हिरासत में मौतें और फर्जी पुलिस मुठभेड़ के भी कई प्रकरण चर्चा में रहे। जसवंत सिंह खालड़ा ने भी जब अमृतसर, मजीठा और तरनतारन के तीन श्मशान घाटों में जून 1984 से दिसंबर 1994 तक जलाई गई लावारिस लाशों के बारे में पड़ताल की तो उन्होंने इसके पीछे पुलिस की गैरकानूनी कार्रवाईयों का आरोप लगाया। सीबीआई के मुताबिक जसवंत सिंह खालड़ा ने इसके खिलाफ आवाज उठाई। लेकिन स्थानीय पुलिस को यह बात खटकी तो उन्हें उनके घर से ही उठा लिया गया और फिर गैरकानूनी हिरासत में रखने के बाद उनकी हत्या कर दी गई। उनकी लाश एक नहर में फेंकी गई, जो कभी बरामद नहीं हुई। यह मामला सुप्रीम कोर्ट तक गया, जहां शीर्ष अदालत ने कहा कि मानवाधिकार कार्यकर्ता होने के नाते, जसवंत सिंह खालड़ा ने अमृतसर और तरनतारन जिलों में पुलिस के कथित गलत कामों का पर्दाफाश करने का काम किया था। पुलिस ने आतंकवादियों के नाम पर बेकसूर लोगों को मारकर बिना किसी पहचान के उनका अंतिम संस्कार किया। पुलिस अधिकारियों को खालड़ा की ऐसी गतिविधियां पसंद नहीं आईं और उन्होंने यह काम बंद करने को कहा। खालड़ा ने जब बात नहीं मानी तो बड़ी बेदर्दी से उन्हें मारा गया। जिस घटना पर सुप्रीम कोर्ट तक टिप्पणी कर चुका है, उसे दिखाने पर रोक लगाना समझ से परे है। हालांकि ऐसा कोई कदम सरकार की तरफ से उठाया जाएगा, इसका अंदेशा अभिनेता दिलजीत दोसांझ को पहले से था। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा है कि श्मुझे पहले से ही लग रहा था कि ऐसा होगा। जिसकी (जसवंत सिंह खालड़ा) आवाज को 1995 में भी दबाया गया और आज 2026 है। कमाल की बात है। हद हो गई है। हम 2026 में जी रहे हैं और कहां खड़े हैं। आज भी आप बात नहीं करने दे रहे हो। कोर्ट ने जो फैसले दिए हैं हम उसी पर बात कर रहे हैं। कोई नयी बात नहीं कर रहे हैं। ये बात मेरी समझ से पूरी तरह बाहर है। उन्होंने कहा कि, मुझे इस बात की खुशी है कि ये फिल्म कुछ लोगों तक पहुंच गई है। ये लोगों की फिल्म है। ये रुक नहीं सकती। इसी तरह कुणाल कामरा ने लिखा कि सीबीएफसी का ओटीटी प्लेटफॉर्म या अंतरराष्ट्रीय रिलीज पर कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है। पंजाब 95 जसवंत सिंह खालड़ा की कहानी है। उन्होंने मानवाधिकार उल्लंघनों के दस्तावेजी सबूत सामने रखे और इसकी कीमत अपनी जान देकर चुकाई। अगर दस्तावेजी तथ्यों पर आधारित एक फिल्म भी भारतीय दर्शक नहीं देख सकते, तो जनता यह जानने की हकघ्दार है कि इसकी वजह क्या है।श कामरा ने यह भी लिखा कि श्कश्मीर फाइल्स, बंगाल फाइल्स और द केरल स्टोरी के लिए रेड कार्पेट। धुरंधर 1 और धुरंधर 2 के लिए फूल– एक काल्पनिक डॉक्यूमेंट्री या एक्सप्लेनर के लिए। किसी निर्देशक के करियर के चार साल निगल जाने का एहसास कैसा होता है? जसवंत सिंह खालड़ा का एक बार फिर अपहरण कर लिया गया है। राजनैतिक हलके में भी इस आदेश पर सवाल उठाए जा रहे हैं। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने कहा कि पंजाब के दर्दनाक इतिहास को साहस के साथ सामने लाने वाली और सरदार जसवंत सिंह जी खालड़ा के सर्वोच्च बलिदान को श्रद्धांजलि देने वाली इस सशक्त फिल्म को इस तरह खामोश नहीं किया जा सकता। यह महज सेंसरशिप नहीं है। यह हमारी सामूहिक स्मृति, सच और अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला है। कुल मिलाकर अब गेंद मोदी सरकार के पाले में है कि वह अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार को कितना मजबूत कर पाती है या कितना और कुचलती है।

सीमा सजदेह से तलाक पर अब सोहेल खान बोले- मैं इसकी पूरी जिम्मेदारी लेता हूं

सोहेल खान और सीमा सजदेह का भले ही तलाक हो गया है, लेकिन दोनों के बीच आज भी काफी अच्छा बॉन्ड है। दोनों हमेशा एक–दूसरे को पर्सनली या प्रोफेशनली सपोर्ट करते रहते हैं। अब सोहेल और सीमा साथ में शो द अलायंस में नजर आने वाले हैं। सोहेल ने अब नेशनल टीवी पर सीमा की तारीफ की और रिश्ते में हुई सारी गलतियों को अपने सिर लिया है। शो का एक प्रोमो सामने आया है सोहेल से पूछा गया कि, यहां आपको उन्हें देखकर कैसा लगा? तो सोहेल ने कहा, अच्छा। मैं इस खूबसूरत महिला के साथ 25 साल रहा हूं। मुझे नेशनल टीवी पर ये एडमिट करना है कि अगर कोई गलती थी तो मैं उसे अपने सर लूंगा और सारी जिम्मेदारी भी। सीमा ने इससे पहले फिल्मीज्ञान को दिए इंटरव्यू में कहा था, मैं जानती थी कि वह शो में आ रहे हैं। मैं उन्हें देखने के लिए तैयार थी। बस यही है कि मैं उन्हें अब नहीं देख पाऊंगी क्योंकि मैं जा रही हूं, लेकिन मुझे लगता है वह अच्छा ही करेंगे। वह अपने कम्फर्ट जोन से बाहर हैं और अच्छा लग रहा है उन्हें देखकर। मुझे उन पर गर्व है।

सीमा से फिर पूछा गया कि शो में उनके बीच कैसा इक्वेशन होगा तो उन्होंने कहा, 'आशा है कि हम अलायंस होंगे। हम अलायंस होंगे चाहे हमें पसंद आए या ना आए।' सीमा ने आगे कहा, 'एडवांटेज ये है कि जब वह जा रहे थे उन्होंने मुझे कहा कि बस तुम जो हो वही रहना, बुली मत होने देना खुद को। मैंने कहा कि मुझे जरूरत नहीं

> “ मैंने कहा कि मुझे जरूरत नहीं पड़ेगी किसी की क्योंकि तुम वहां होंगे।' शो में उन्होंने क्यों पार्टिसिपेट किया इस पर सीमा ने कहा कि उनके छोटे बेटे योहान की वजह से।

पड़ेगी किसी की क्योंकि तुम वहां होंगे।' शो में उन्होंने क्यों पार्टिसिपेट किया इस पर सीमा ने कहा कि उनके छोटे बेटे योहान की वजह से। वह बोलीं, 'मेरा छोटा बेटा काफी एक्साइटेड था। निर्वाण भी वैसे, लेकिन योहान हम दोनों को बहुत सपोर्ट कर रहा है। उसने कहा कि आप दोनों को ये करना होगा और शो जीतना होगा।' बता दें कि सीमा और सोहेल ने 1998 में शादी की थी। दोनों ने घर से भागकर शादी की थी। सीमा की सगाई हो गई थी, लेकिन उन्होंने फिर सगाई तोड़कर सोहेल संग शादी की। दोनों के 2 बेटे हैं और तलाक के बाद भी दोनों साथ में को पैरेंटिंग कर रहे हैं।

दुआ में याद रखना कहकर एक्ट्रेस माहि विज ने अचानक लिया सोशल मीडिया से ब्रेक, भावुक हुए फैंस

तलाक के बाद अभिनेत्री माहि विज अपनी प्रोफेशनल लाइफ पर पूरा ध्यान दे रही हैं और साथ ही एक सिंगल मदर के तौर पर अपनी जिम्मेदारियां भी बखूबी निभा रही हैं। इस बीच मंगलवार को उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए फैंस को बताया कि वह कुछ समय के लिए सोशल मीडिया से दूरी बना रही हैं। उनकी इस पोस्ट ने फैंस को हैरान कर दिया। हालांकि, थोड़ी ही देर बाद माही ने अपनी वह इंस्टा स्टोरी हटा दी। माही विज ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा कि वह कुछ समय के लिए सोशल मीडिया से दूर रहना चाहती हैं। उन्होंने यह भी कह कि अब तक तभी कोई पोस्ट करेंगी, जब काम से जुड़ा कोई जरुरी अपडेट साझा करना होगा। आखिर में उन्होंने अपने चाहने वालों से उन्हें अपनी दुआओं में याद रखने की अपील भी की। हालांकि, कुछ ही समय बाद उन्होंने यह स्टोरी हटा दी लेकिन तब तक इसका स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो चुका था। माही विज और जय भानुशाली ने करी 15 साल तक साथ रहने के बाद इस साल की शुरुआत में अपने रिश्ते को खत्म करने का फैसला लिया और तलाक की घोषणा की। दोनों के परिवार में तीन बच्चें हैं–बेटी तारा, जो उनकी जैविक संतान है, जबकि खुशी और राजवीर को उन्होंने गोद लिया था। तलाक के बाद माही अपनी बेटी तारा के साथ समय बिताते हुए अक्सर सोशल मीडिया पर खूबूसरत तस्वीरें और वीडियो साझा करती नजर आती रही हैं। पर्सनल के साथ–साथ माही विज के प्रोफेशनल लाइफ की बात की जाए तो उन्हें आखिरी बार सीरियल टीवी शो सहर होने को है में देखा गया था। हालांकि, उन्होंने इस सीरियल को उन्होंने 2026 में छोड़ दिया था। इसके अलावा उन्होंने नच बलिए 5 और खतरों के खिलाड़ी 7 जैसे शो में देखा गया है।

मेकर्स ने मेरी जिंदगी खराब की..., शिल्पा शिंदे पर भड़कीं हिना खान, कहा- वो बिग बॉस कभी भी जीत नहीं पाती अगर उसने...

टीवी एक्ट्रेस हिना खान और शिल्पा शिंदे के बीच कैट फाइट किसी से छुपी नहीं है। दोनों को अक्सर एक–दूसरे पर सोशल मीडिया पर कमेंट करती नजर आती हैं। ऐसे में बीते दिनों शिल्पा शिंदे भाभीजी घर पर हैं के मेकर संजय कोहली पर यौन उत्पीड़न के झूठे आरोप लगाने को लेकर काफी ट्रोल हुईं। उनके इस झूठे आरोपों पर हिना खान पहले भी कई बार अपनी नाराजगी जाहिर कर चुकी हैं। ऐसे में अब एक बार फिर से शिल्पा पर हिना खान जमकर भड़कीं। दरअसल, हाल ही में शिल्पा शिंदे कॉमेडियन भारती सिंह और उनके पति हर्ष लिम्बाचिया के पॉडकास्ट का हिस्सा बनीं। इस दौरान शिल्पा ने बताया भाभीजी घर पर हैं के मेकर संजय कोहली पर उन्होंने यौन उत्पीड़न का झूठा आरोप लगाया था। ऐसे में अब हिना खान अपने पति रॉकी जायसवाल के साथ हाल ही में रुबीना दिलैक के पॉडकास्ट में पहुंचीं। इस दौरान हिना, शिल्पा शिंदे पर जमकर बरसी। हिना के पति ने शिल्पा पर निशाना साधते हुए कहा, जो करेंसी बनी है ना, वो है कंट्रोवर्सी। इसके बाद हिना खान बिग बॉस विनर शिल्पा शिंदे के साथ बिग बॉस के घर में थीं। ऐसे में शिल्पा पर अपना गुस्सा निकालते हुए हिना ने कहा, उन्होंने बिग बॉस में सब कुछ कहा। उन्होंने कहा, मेरे साथ ये हुआ, मेरे साथ वैसा हुआ गलत हुआ, मेरे साथ गलत हुआ, मेरे साथ सब कुछ खराब किया, मेकर्स ने मेरी जिंदगी बर्बाद कर दी, लेकिन क्या उसने एक बार भी ये कहा इसके बदले में उन्होंने प्रोड्यूसर के खिलाफ सेक्शुअल असॉल्ट (यौन उत्पीड़न) का केस किया? क्योंकि वो जानती थी, अगर वो ये बोलेगी, तो वह कभी नहीं जीत पाएंगी। शिल्पा की बातों पर रुबीना दिलैक ने भी अपनी नाराजगी जाहिर की। रुबीना दिलैक के पॉडकास्ट का वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस पर यूजर्स के लगातार रिएक्शन आ रहे हैं। साथ ही कई यूजर्स भी हिना खान की बात को सही बताते हुए शिल्पा के झूठे आरोपों को गलत बताते हुए उन पर अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। बता दें कि शिल्पा शिंदे बिग बॉस 11 की विनर रही थीं। इसी सीजन में शिल्पा के साथ हिना खान भी बतौर कंटेस्टेंट नजर आई थीं। शो में हिना और शिल्पा के बीच कांटे की टक्कर थी, लेकिन विनर की ट्रॉफी शिल्पा के हाथ लगी थी। बता दें कि इसके बाद वो भाभीजी घर पर हैं में अंगूरी भाभी के रोल में दिखी थीं। वहीं इन दिनों, शिल्पा लॉकअप 2 में नजर आ रही हैं।

अब दोबारा शादी नहीं करूंगी, मेरा सफर खत्म हुआ...तलाक के बीच आकांक्षा चमोला का बड़ा बयान

लॉक अप सीजन 2 के प्रीमियर के दौरान आकांक्षा चमोला ने अपनी निजी जिंदगी को लेकर बड़ा खुलासा किया। उन्होंने बताया कि उनका और गौरव खन्ना का रिश्ता अब तलाक की तरफ बढ़ रहा है। एक्ट्रेस के इस बयान ने सभी को चौंका दिया और शो के घर में भी इस विषय पर चर्चा शुरू हो गई। कई कंटेस्टेंट्स उनसे उनकी पर्सनल लाइफ को लेकर बात करते नजर आए। आकांक्षा ने कहा कि वह पहली बार राष्ट्रिय टेलीविजन पर अपनी निजी जिंदगी से जुड़ी इतनी बड़ी जानकारी सांझा कर रही हैं। शो के नौवें एपिसोड में उन्होंने यह भी बताया कि तलाक के बाद वह अपनी जिंदगी को किस तरफ नए सिरे से आगे बढ़ाने की योजना बना रही हैं। लॉक अप सीजन 2 में बहुत कुछ नया और अलग देखने को मिल रहा है। हर दिन हर एपिसोड में कुछ नया होता है। पहले आकांक्षा ने सबसे सामने तलाक की घोषणा की थी और अब उन्होंने दूसरी कंटेस्टेंट्स पामेला सेरेना के साथ अपनी दिल की बात शेयर की हैं। उन्होंने अपना दुःख बताते हुए कहा कि मेरी शादी बहुत ही कम उम्र में हो है थी, उस समय में 24 साल की थी। इसके बाद पामेला ने उन्हें कहा कि तुम अभी जवान हो, तुम्हे तो कोई भी मिल सकता है। इसके बाद आकांक्षा ने अपने फ्यूचर के बारे में बात की और कहा कि अब मैं दोबारा शादी नहीं करना चाहती हूं, मुझे ऐसा लगता है कि मेरा यह वाला सफर खत्म हो गया है। इसके बाद उन्होंने कहा कि अब वो अकेले रहना चाहती हैं। इसका मतलब वो न ही अपने मां–बाप के पास रहेंगी और न ही पति के पास। तलाक के बाद अपनी जिंदगी को लेकर आकांक्षा चमोला ने खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि वह आगे का जीवन अकेले बिताना चाहती हैं। आकांक्षा के मुताबिक, उनका फैसला है कि वह अब अपनी शर्तों पर जिंदगी जिएंगी। उनके बयान से साफ संकेत मिलता है कि गौरव खन्ना से अलग होने के बाद वह खुद पर ध्यान देते हुए एक स्वतंत्र और आत्मनिर्भर जीवन की नई शुरुआत करना चाहती हैं।

सैफ अली खान से एक सीन नंगे में करवाना चाहते थे विशाल भारद्वाज, एक्टर ने बदले में रख दी थी ये डिमांड

सैफ अली खान की फिल्म ओमकारा की रिलीज को 20 साल पूरे हो गए हैं इस महीने। इस फिल्म में सबकी परफॉर्मेंस को काफी पसंद किया गया था जिसमें सैफ भी शामिल हैं। अब इस फिल्म को लेकर सैफ ने एक एक्सपीरियंस शेयर किया और बताया कि कैसे विशाल भारद्वाज ने उन्हें एक सीन को नंगा होकर करने को कहा था। सैफ ने द हॉलीवुड रिपोर्टर से बात करते हुए कहा, 'मुझे याद है फिल्म से जुड़ा एक सीन। एक लंबा डायलॉग था जो शीशे के सामने मुझे बोलना था। विशाल भारद्वाज ने मुझे कहा क्या तुम इसे नंगे में कर सकते हो? ये काफी एक्साइटिंग था, लेकिन मैं थोड़ा झिझक रहा था क्योंकि सेट पर काफी क्राउड था। तो मुझे याद है मैंने उन्हें कहा अगर तुम मुझे नंगे डायरेक्ट कर सकते हो तो मैं करूंगा और उन्होंने कहा, नहीं मैं नहीं करने वाला। तो हां ये फनी पार्ट था।' सैफ ने हालांकि आगे कहा कि अब उन्हें अफसोस है कि उन्हें ऐसा कर देना चाहिए था। वह बोले, अगर मैं आज भी देखता हूं तो मुझे उसे कर देना चाहिए था। वह बैक से शूट कर सकते थे। ये अच्छा लगता क्योंकि अब हम काफी कुछ नया कर रहे हैं तो ये भी कुछ नया हो जाता। अगर आज होता तो मैं आज कर देता। सैफ ने यह भी कहा कि विशाल ने उस सीन पर दोबारा भी काम किया था। वह बोले, 'एक लंबा डायलॉग था जो मुझे कहना था कि तुमने मुझे बाहुबली नहीं बनाया है और अब मैं ये करूंगा। लेकिन फिर लास्ट मिनट पर वह आए और उन्होंने कहा कि तुम्हें कोई डायलॉग नहीं बोलना है, मेरे पास एक आइडिया है।' सैफ ने आगे कहा, तो फिर वह चाहते थे कि मैं मिरर के सामने खड़े हूं। मैं ट्रॉली में आऊंगा आपके पीछे, हम आपको एक मेटल देंगे हाथ में कुछ भारी सा, हथौड़ा जैसे और तुम उसे शीशे में मारकर तोड़ देना। तुम्हारे हाथ से खून बहेगा और बस। तुम्हें फिर कोई डायलॉग बोलने की जरूरत नहीं है। मैंने भी कहा कि हां ठीक है। इससे पहले फिल्म कम्पैनियन के दौरान सैफ ने इस रिपोर्ट पर अपनी बात रखी थी कि उनसे पहले आमिर खान को ये रोल ऑफर हुआ था। इस पर सैफ ने कहा था, आमिर का विशाल के साथ डिस्कशन रहा होगा, लेकिन विशाल श्योर नहीं थे कि जैसा वह चाहते हैं आमिर वैसा करेंगे कि नहीं।

गर्मियों में रहना है एकदम एनर्जेटिक तो फटाफट से बनाएं लेमोनेड

चिलचिलाती गर्मी से बचने के लिए हर कोई ठंडी–ठंडी चीजें ही खाना पसंद करता है। इस मौसम में सभी टेस्टी और ठंडी ड्रिंक्स का आनंद लेते हैं। वैसे तो आपने नारियल पानी,मैंगो शेक, नींबू पानी जैसे कई सारे ड्रिंक्स पीएं होंगे लेकिन आज आपको लेमोनेड बनाने के बारे में बताएंगे। यह आपके शरीर को सारा दिन एनर्जेटिक रखेगा। तो चलिए जानते हैं इसे बनाने की रेसिपी के बारे में...

सामग्री

नींबू – 4–5

चीनी – 3 चम्मच

नमक – 1/2 चम्मच

ठंडा पानी – 3 कप

सोडा – 1 कप

बर्फ के टुकड़े – 9–10

बनाने की विधि

1. सबसे पहले नींबू को आधा काटकर इसका रस निकाल लें।

2. इसके बाद एक बर्तन में इसे डालें और उसमें नमक और चीनी मिलाएं।

3. अब इसमें ठंडा पानी डालें और चम्मच के साथ मिक्स कर लें।

4. जब सारी चीजें अच्छे से मिक्स हो जाएं फिर सोडा डालें।

5. आपका टेस्टी लेमोनेड बनकर तैयार है। बर्फ के टुकड़े डालकर सर्व करें।

व्रत में बनाकर खाएं टेस्टी आलू और सिंघाड़े के दही वड़े

भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए भक्त सावन के महीने में हर सोमवार उपवास करते हैं और भोलेनाथ की कृपा पाते हैं। लेकिन व्रत में समझ नहीं आता कि ऐसी कौन सी चीज बनाकर खाएं जो स्वास्थ्य को भी ठीक रखे और भूख भी मिटा दे। आज आपको व्रत की एक ऐसी रेसिपी बताएंगे जिसे आप सावन में बनाकर खा सकते हैं। टेस्टी आलू और सिंघाड़े के दही वड़े आप सावन व्रत में बनाकर खा सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इसे बनाने की रेसिपी के बारे में...

सामग्री

आलू – 5–6 (उबले हुए)

सेंधा नमक – जरुरतअनुसार

काली मिर्च – 1 चम्मच

बड़ी इलायची – 2

हरी धनिया – 1 कप

सिंघाड़े का आटा – 1 कप

तेल – जरुरतअनुसार

फलाहारी चटनी – 1 कप

फलाहारी मसाला – 2 चम्मच

बनाने की विधि

1. सबसे पहले आलू को मैश कर लें और इसमें स्वादअनुसार नमक मिलाएं।

2. इसके बाद इसमें काली मिर्च, बड़ी इलायची, हरा धनिया मिलाएं और मिक्स कर दें।

3. सारी चीजें अच्छे से मिलाने के बाद इसमें सिंघाड़े का आटा डालें।

4. इस बात का ध्यान रखें कि आटा ज्यादा न डालें।

5. इसके बाद आलू और आटे को अच्छे से मिक्स करें ताकि कोई लंब न रह जाए।

6. फिर आलू के मिश्रण से छोटे–छोटे वड़े तैयार कर लें।

7. एक बर्तन में तेल डालें और अच्छे से गर्म होने के लिए रख दें।

8. जैसे तेल गर्म हो जाए तो उसमें वड़े डालकर फ्राई कर लें।

9. सारे वड़े एक प्लेट में निकाल लें और कुछ देर के लिए दही में डुबोकर रख दें।

10. 30–40 मिनट बाद दही में फलाहारी चटनी और चाट मसाला डालें।

11. आपके स्वादिष्ट दही वड़े बनकर तैयार है। सभी को सर्व करें।

बदलते मौसम में नहीं बीमार होंगे बच्चे, डाइट में खिलाएं ये हेल्दी चीजें

आजकल मौसम का कुछ पता नहीं चलता कभी धूप तो कभी बारिश। ऐसे में बदलता हुआ यह मौसम कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं खड़ी कर सकता है। खासकर बच्चों पर इसका प्रभाव पड़ सकता है। सीजनल फ्लू के कारण बच्चों को बुखार, पेट से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। यह बीमारियां बच्चों को इतनी जल्दी घेरती हैं कि आप उनका इलाज भी नहीं कर सकते हैं। ऐसे में आप बच्चों के स्वास्थ्य को बचाने के लिए कुछ तरीके अपना सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में...

खिलाएं मौसमी सब्जियां

मौसमी सब्जियां बच्चों की डाइट में आप शामिल कर सकते हैं। इनमें पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट्स बच्चे की इम्यूनिटी मजबूत बनाने में मदद करेंगे और उनके शरीर से कमजोरी भी दूर करेंगे। पालक, तुरई, घीया, बीटरुट जैसी सब्जियों का सेवन आप बच्चों को करवा सकते हैं। इन्हें खाने से बच्चों के शरीर में खून की कमी भी दूर होगी।

दही

दही बच्चों की इम्यूनिटी बढ़ाने के साथ–साथ उनकी हड्डियां भी मजबूत बनाएगा। इसमें पाए जाने वाला कैल्शियम हड्डियों के लिए बेहद ही आवश्यक होता है। दही में प्रोटीन, आयरन, जिंक, विटामिन सी पाया जाता है जो इम्यूनिटी बढ़ाता है। इसके अलावा यह बदलते मौसम में बच्चे को शरीर को भी हैल्दी रखेगा।

पिलाएं पानी

सही मात्रा में आप बच्चों का पानी देने से उन्हें कई तरह की बीमारियों से बचा सकते हैं। पानी पिलाने से भी बच्चे की हड्डियां मजबूत होती हैं पाचन दुरुस्त रहता है और पर्याप्त मात्रा में इसका सेवन करने से बच्चे कई बीमारियों से भी बचे रहेंगे। पानी बच्चों का एनर्जी लेवल बढ़ाकर उनकी इम्यूनिटी भी स्ट्रॉन्ग बनाता है।

बच्चों को करने दें इनडोर एक्टिविटीज

आप बच्चों को यदि इस मौसम में इम्यूनिटी बढ़ाना चाहते हैं तो उन्हें बाहर खेलने के लिए भेजें। इससे उनका मानसिक और शारीरिक विकास अच्छे से होगा। इसके अलावा बाहर खेलने से बच्चों को इंफेक्शन से लड़ने में भी मदद मिलती है और उनकी इम्यूनिटी मजबूत बनती है।

खिलाएं प्रोटीन से भरपूर डाइट

बच्चों को प्रोटीन से भरपूर डाइट दें। इससे उनकी मांसपेशियां मजबूत होंगी। पनीर, सोया, मटर, ड्राई फ्रूट्स, अंडा और चिकन को आप उनकी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं।

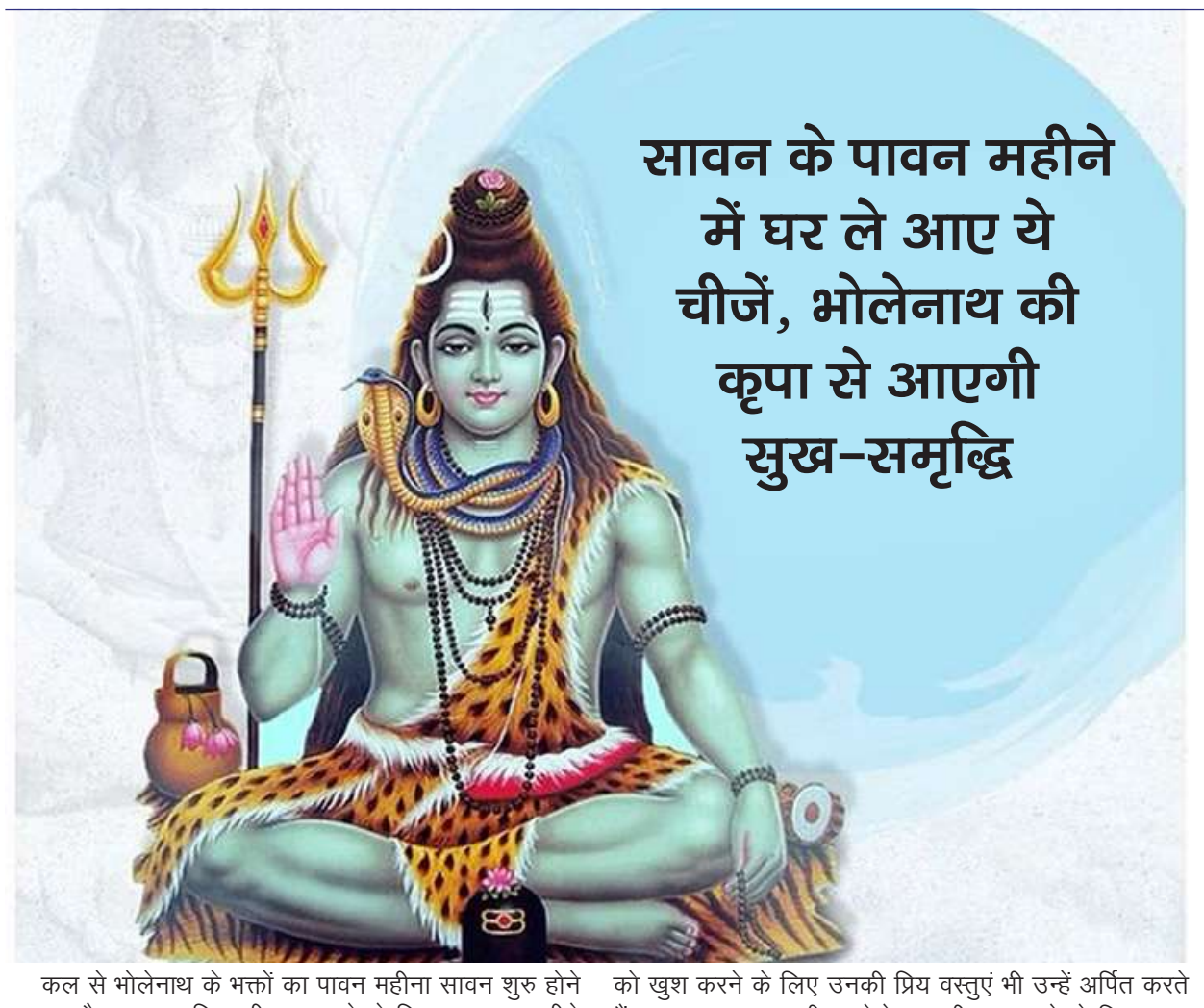

सावन के पावन महीने में घर ले आए ये चीजें, भोलेनाथ की कृपा से आएगी सुख–समृद्धि

कल से भोलेनाथ के भक्तों का पावन महीना सावन शुरु होने जा रहा है। भगवान शिव की कृपा पाने के लिए भक्त इस महीने में पूजा–पाठ और व्रत करते हैं। इसके अलावा जटाधरी शिवजी को खुश करने के लिए उनकी प्रिय वस्तुएं भी उन्हें अर्पित करते हैं। सावन का पूरा महीना भोलेनाथ की कृपा पाने के लिए बहुत ही शुभ माना जाता है। ऐसे में वास्तु मान्यताओं के अनुसार, इस महीने में घर में कुछ चीजें लाने से भगवान शिव भक्तों को मनचाहा वरदान देते हैं। तो चलिए जानते हैं इन चीजों के बारे में....

भस्म

भस्म भगवान शिव का श्रृंगार मानी जाती है। जैसे बाकी देवी–देवताओं को श्रृगांर सुंदर कपड़े और गहनों के साथ किया जाता है वैसे ही भगवान भोलेनाथ भस्म के साथ खुश होते हैं। इसलिए उन्होंने अपने सारे शरीर पर भस्म लगाई होती है। सावन में आप घर में भस्म ले आएं और रोज शिवलिंग पर लगाएं। इससे शिवजी आपसे प्रसन्न होंगे।

गंगाजल

गंगाजल को हिंदू धर्म में बहुत ही पवित्र माना जाता है। ऐसे में सावन के महीने में घर में गंगाजल लेकर आना बहुत ही शुभ माना जाता है। शिवलिंग पर इसे अर्पित करने से भगवान शंकर खुश होते हैं। बहुत से भक्त पौड़ी से कावड़ में गंगाजल इसलिए भरके लाते हैं क्योंकि यह शिवजी को अति प्रिय है।

चांदी का बेलपत्र

भगवान शिव की पूजा बेलपत्र के बिना अधूरी मानी जाती है ऐसे में सावन के पवित्र महीने में आप चांदी का बेलपत्र अपने घर लाएं। मान्यताओं के अनुसार, इससे आपके जीवन की कई परेशानियां दूर होंगी।

रुद्राक्ष

माना जाता है कि रुद्राक्ष भगवान शिव के आंसुओं से बना है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, जहां–जहां शिवजी के आंसू गिरे थे वहीं रुद्राक्ष उत्पन्न हुआ था। शिवजी को भी यह अति प्रिय है इसलिए उन्होंने इसे अनपे गले में भी धारण किया होता है। सावन पर रुद्राक्ष अपने घर लाएं। इससे घर की नेगेटिविटी दूर होती है।

नाग और नागिन का जोड़ा

नाग नागिन का जोड़ा भगवान शिव का आभूषण माना जाता है। ऐसे में सावन के महीने में चांदी से बना नाग–नागिन का जोड़ा आप अपने घर ले आएं।मान्यताओं के अनुसार, इससे घर में सुख–समृद्धि आएगी।

दक्षिण दिशा में रखी ये चीजें बरसाएंगी बेशुमार पैसा, धन-धान्य से भर जाएगा आशियाना

बहुत से लोग अपने घर का निर्माण वास्तु के अनुसार, करवाते हैं। इस शास्त्र में दिशाओं का खास महत्व बताया गया है। घर में मौजूद हर चीज की इस शास्त्र में एक दिशा बताई गई है। यदि इसके अनुसार, घर में सामान न रखा जाए तो घर में नेगेटिविटी फैलने लगती है। इसके अलावा इन चीजों का दुष्प्रभाव घर में रहने वाले सदस्यों पर भी पड़ता है। इस शास्त्र में दक्षिण दिशा को लेकर कुछ खास नियम बताए गए हैं क्योंकि यह दिशा यम और पितरों की मानी जाती हैं। तो चलिए आपको बताते हैं कि यहां पर कौन सी चीज रखना शुभ माना जाता है...

झाड़ू

दक्षिण दिशा में झाड़ू रखना बहुत ही शुभ माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार, इससे आपको घर में धन लाभ हो सकता है। क्योंकि झाड़ू को मां लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में यहां पर झाड़ू रखने से आशियाने में खुशियां भी आती हैं।

सिरहाना

पलंग का सिरहाना इस दिशा में रखना शुभ माना जाता है। सोते समय यदि सिर दक्षिण और पैर उत्तर दिशा में हों तो ऐसा माना जाता है कि मन में अच्छे विचार आएंगे और नींद भी अच्छी आएगी। इसके अलावा यहां पर सिरहाना रखने से दांपत्य जीवन भी खुशहाल रहता है।

फिनिक्स चिड़िया

फिनिक्स चिड़िया दक्षिण दिशा में लगानी बहुत ही शुभ मानी जाती है। इसे घर में समृद्धि का संकेत माना जाता है। ऐसे में इसे घर में लगाने से नेगेटिविटी दूर होती है। आप लिविंग रुम में इस तस्वीर को लगा सकते हैं।

जेड प्लांट

जेड प्लांट को लगाने के लिए भी यह दिशा बहुत ही शुभ मानी जाती है। मान्यताओं के अनुसार, आप इसे हॉल या फिर ड्राइंग रुम में लगा सकते हैं। यह दिशा शुक्र ग्रह की भी मानी जाती है ऐसे में यहां पर पौधा लगाने से घर में समृद्धि बनी रहती है। पैसे और ज्वेलरी इसके अलावा कोई भी कमीमकती सामान और ज्वेलरी भी यहां पर रखनी शुभ मानी जाती है।

संक्षिप्त

ब्लॉकबस्टर फिल्म से गुर सीखकर पा सकते हैं शानदार रिटर्न? निवेश भी एक्शन और कहानी के संतुलन पर निर्भर

नई दिल्ली,एजेंसी। एक ब्लॉकबस्टर फिल्म की तरह निवेश भी एक्शन और कहानी के संतुलन पर निर्भर करता है। जहां रोमांचक दृश्य और ऊर्जावान पल ध्यान खींचते हैं, वहीं एक अच्छी कहानी दर्शकों को अंत तक बांधे रखती है। निवेश में भी इक्विटी एक्शन प्रदान करती है, जबकि ऋण कहानी की भूमिका निभाता है। इक्विटी लंबे समय में धन निर्माण कर सकती है। इसने युद्ध, मंदी, महामारियों और बाजार के झटकों के बावजूद धैर्यवान निवेशकों को पुरस्कृत किया है। हालांकि, किसी भी अच्छी एक्शन फिल्म की तरह, इसमें भी उतार–चढ़ाव आते हैं। बाजार में अस्थिरता इसका एक हिस्सा है। आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल असेट मैनेजमेंट कंपनी के वित्तीय सलाहकार आरसी रावल के अनुसार, ऋण निवेश का सबसे अहम हिस्सा नहीं हो सकता है। लेकिन यह अक्सर पोर्टफोलियो को संतुलन, ताल और निरंतरता देता है। जब बाजार में उतार–चढ़ाव आता है, तो यह निवेश की यात्रा को स्थिर करने में मदद करता है। यह एक मजबूत कहानी की तरह है जो फिल्म को दृश्यों की एक शृंखला बनने से रोकती है। सफल पोर्टफोलियो वृद्धि और स्थिरता के संतुलन से लाभान्वित होते हैं। रावल ने बताया कि संतुलित हाइब्रिड फंड इसी विचार पर आधारित हैं। ये एक पोर्टफोलियो में इक्विटी और ऋण को जोड़ते हैं। इनका लक्ष्य वृद्धि को हासिल करना है, साथ ही एक स्थिर प्रभाव भी जोड़ना है। सिनेमा से एक और सीख मिलती है कि सबसे बड़ा सितारा भी अकेले फिल्म को सफल नहीं बना सकता। एक ब्लॉकबस्टर को सहायक कलाकारों, गति और एक ऐसी कहानी की आवश्यकता होती है जो उतार–चढ़ाव का सामना कर सके। विभिन्न परिसंपत्ति वर्ग अक्सर बारी–बारी से प्रदर्शन करते हैं। निवेशकों को ट्रैक पर बने रहने के लिए बाजार के हर उतार–चढ़ाव का अनुमान लगाने की कोई जरूरत नहीं है। रावल ने कहा, ष्संतुलित हाइब्रिड फंडों का आकर्षण 40रू60 के संतुलन पर निर्भर है। बाजार का नेतृत्व बदलता रहता है, अनिश्चितता बनी रहती है। कोई भी परिसंपत्ति वर्ग हमेशा के लिए बेहतर प्रदर्शन नहीं करता। फंड के भीतर इक्विटी और ऋण को संतुलित करके, वे लगातार दोनों के बीच चुनाव किए बिना बदलती बाजार स्थितियों को नेविगेट करने का प्रयास करते हैं। आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल असेट मैनेजमेंट कंपनी का आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल बैलेंस्ड हाईब्रिड कोष 30 जून से 14 जुलाई, 2026 तक सदस्यता के लिए खुला है। यह इक्विटी और ऋण में 40–60 फीसदी आवंटन के साथ एक हाइब्रिड रणनीति का पालन करता है। यह बाजार की स्थितियों के आधार पर बाजार पूंजीकरण और क्षेत्रों में जोखिम को समायोजित करता है।

वैश्विक आशंकाओं के बीच भारत की धाक, एडीबी को भरोसा- एफवाई27 में 6.6प्रतिशत की रफ्तार से दौड़ेगी अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली,एजेंसी। दुनियाभर में छाई आर्थिक अनिश्चितता और भू–राजनीतिक तनावों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था अपनी मजबूत धमक बनाए रखने के लिए तैयार है। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, भारत वित्तीय वर्ष 2026–27 (एफवाई27) में 6.6 प्रतिशत की विकास दर के साथ दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शुमार रहेगा। वैश्विक विपरीत परिस्थितियों के बावजूद नीतिगत सुधारों और सेवाओं के मजबूत निर्यात के दम पर भारत अपनी इस रफ्तार को बनाए रखने में पूरी तरह सक्षम दिख रहा है। एडीबी द्वारा वित्त वर्ष 2026–27 के लिए जारी किया गया 6.6 प्रतिशत विकास दर का यह ताजा अनुमान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के नवीनतम अनुमान से भी बेहतर है। आईएमएफ ने इस अवधि के लिए भारत की विकास दर 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था, जिससे एडीबी का दृष्टिकोण 0.2 प्रतिशत अधिक है। इसके साथ ही, बैंक ने वित्त वर्ष 2027–28 (एफवाई28) के लिए भारत के विकास दर के अनुमान को 7.3 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा है। ये आंकड़े दर्शाते हैं कि वैश्विक परिस्थितियों में सुधार और विभिन्न देशों के साथ हुए व्यापार समझौतों से भारतीय निर्यात की प्रतिस्पर्धात्मकता मजबूत हुई है। एडीबी की रिपोर्ट में उन प्रमुख नीतिगत कदमों को रेखांकित किया गया है जो भारत की आर्थिक वृद्धि को लगातार गति दे रहे हैं। विकास की इस तेज रफ्तार के बावजूद, भारतीय अर्थव्यवस्था के सामने कई वैश्विक और घरेलू जोखिम भी मौजूद हैं। रिपोर्ट में सचेत किया गया है कि लगातार बने हुए भू–राजनीतिक तनाव और मौसम की मार के कारण कृषि क्षेत्र में आने वाली कमजोरी विकास दर को प्रभावित कर सकती है। ऊर्जा की ऊंची कीमतें भी एक बड़ी चिंता का विषय बनी हुई हैं। ईंधन की बढ़ती कीमतें वास्तविक आय को प्रभावित करती हैं और उपभोक्ता खर्च को कमजोर करती हैं, जिसके कारण एडीबी को वित्त वर्ष 2026–27 के विकास दर के अनुमान में संशोधन करना पड़ा है। इसके साथ ही, एडीबी ने वित्त वर्ष 2026–27 के लिए भारत की महंगाई (मुद्रास्फीति) के अनुमान को संशोधित कर 5.2 प्रतिशत कर दिया है, हालांकि वित्त वर्ष 2027–28 के लिए इसे 4 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। भारत के मुकाबले व्यापक एशियाई क्षेत्र के लिए आर्थिक परिदृश्य अधिक चुनौतीपूर्ण नजर आ रहा है। एडीबी ने दक्षिण एशिया क्षेत्र के लिए अपने वर्ष 2026 के विकास अनुमान को 6.3 प्रतिशत से घटाकर 6.0 प्रतिशत कर दिया है।

कौन हैं अर्नव पापरकर? विंबलडन में भारत का सपना जिंदा रखने वाले टेनिस सितारे की कहानी

लंदन,एजेंसी। भारतीय टेनिस को एक नया सितारा मिल गया है। 18 वर्षीय अर्नव पापरकर ने विंबलडन जूनियर्स बॉयज सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाकर इतिहास रच दिया है। जापान के रियो तबाता को 6–2, 6–1 से हराकर अर्नव 36 साल बाद इस मुकाम तक पहुंचने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने। उनसे पहले 1990 में लिएंडर पेस ने यह उपलब्धि हासिल की थी। इस शानदार प्रदर्शन ने अर्नव को भारतीय टेनिस के दिग्गज खिलाड़ियों की सूची में ला खड़ा किया है। आइए जानते हैं आखिर कौन हैं अर्नव पापरकर और कैसे उन्होंने इस ऐतिहासिक मुकाम तक का सफर तय किया। अर्नव ने सिर्फ क्वार्टर फाइनल में पहुंचकर ही नहीं, बल्कि पूरे टूर्नामेंट में अपने खेल से सभी को प्रभावित किया है। उन्होंने दूसरे दौर में अमेरिका के जूनियर विश्व नंबर–तीन कीटन हैंस को 6–2, 6–3 से हराया था। इसके बाद प्री–क्वार्टर फाइनल में जापान के रियो तबाता को एकतरफा मुकाबले में 6–2, 6–1 से शिकस्त देकर अंतिम–आठ में जगह बनाई। आईटीएफ जूनियर विश्व रैंकिंग में 19वें स्थान पर मौजूद अर्नव का यह अब तक के करियर का सबसे बड़ा प्रदर्शन माना जा रहा है।

करीब छह फीट लंबे अर्नव पापरकर की सबसे बड़ी ताकत उनकी पहली सर्विस मानी जाती है। कीटन हैंस के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने छह ऐस लगाए और पूरे मैच में एक भी ब्रेक प्वाइंट नहीं गंवाया। उन्होंने अपनी सर्विस पर सिर्फ 18 अंक खोए, जिसने उनके दमदार खेल की झलक दिखाई। अर्नव पहले भी कह चुके हैं कि उनकी पहली सर्विस ही उनका सबसे बड़ा हथियार है और बड़े मुकाबलों में यही उनकी सबसे बड़ी ताकत बनती है।

अर्नव हेमंत बेंद्रे टेनिस अकादमी में कोच प्रसोनजीत पॉल की देखरेख में प्रशिक्षण लेते हैं। बड़े टूर्नामेंटों की तैयारी के लिए वह अपने विरोधियों के खेल का गहराई से अध्ययन करते हैं और उनकी कमजोरियों पर खास रणनीति बनाते हैं। उन्हें महाराष्ट्र स्टेट लॉन टेनिस एसोसिएशन, महाटेनिस फाउंडेशन और महाराष्ट्र सरकार की मिशन लक्ष्यवेध योजना का भी सहयोग मिला है। इसके अलावा उन्हें कॉरपोरेट स्पॉन्सर आर्यन पंप्स का दीर्घकालिक समर्थन भी प्राप्त है। अर्नव ऐसे परिवार से आते हैं, जहां खेलों की कोई खास पृष्ठभूमि नहीं थी। लेकिन बचपन से ही उन्हें हर खेल से लगाव था। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया, श्मुझे खेलों से बहुत प्यार था। मैं टेबल टेनिस, तैराकी, क्रिकेट और फुटबॉल, जो भी खेल सकता था, खेलता था। जहां मैं तैराकी करने जाता था, उसके पास ही एक टेनिस कोर्ट था। मैं वहां रुककर खिलाड़ियों को देखता था। जब मैं छह साल का था, तब वहां के कोच ने मुझे टेनिस खेलने के लिए कहा और वहीं से मेरी इस खेल की शुरुआत हुई। उनके माता–पिता ने भी उनकी प्रतिभा को पहचानते हुए हर कदम पर साथ दिया। उन्होंने अर्नव के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों का खर्च उठाया और बेहतर तैयारी के लिए स्पेन में ट्रेनिंग की व्यवस्था भी कराई। अर्नव सिर्फ टेनिस ही नहीं, बल्कि फुटबॉल के भी बड़े प्रशंसक हैं। वह अपने हर प्रतिद्वंद्वी के मैच देखते हैं, उनके खेल से जुड़े नोट्स तैयार करते हैं और मुकाबले से पहले उनकी कमजोरियों पर काम करते हैं। यही आदत उन्हें कोर्ट पर रणनीतिक बढ़त दिलाती है। ऐसा रहा अब तक का सफर अर्नव का पहला बड़ा अंतरराष्ट्रीय ब्रेक 2023 में ऑस्ट्रेलियन ओपन अंडर–14 एशिया–पैसिफिक एलीट ट्रॉफी में मिला। इसके बाद उसी साल कोल्हापुर में वाइल्ड कार्ड एंट्री के साथ उन्होंने राष्ट्रीय अंडर–16 चैंपियनशिप अपने नाम की। इसके बाद रोलां गैरो जूनियर चैंपियनशिप 2026 के तीसरे दौर में पहुंचने के साथ वह विश्व जूनियर रैंकिंग के टॉप–20 में शामिल हो गए। भारतीय टेनिस में लिएंडर पेस के बाद बहुत कम खिलाड़ी जूनियर ग्रैंड स्लैम में इतना आगे तक पहुंच पाए हैं। ऐसे में अर्नव पापरकर का यह प्रदर्शन सिर्फ एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय टेनिस के भविष्य के लिए भी बड़ी उम्मीद माना जा रहा है। अब सभी की निगाहें इस युवा खिलाड़ी पर होंगी कि क्या वह 36 साल के इंतजार को और यादगार बनाते हुए विंबलडन जूनियर्स में भारत के लिए नया इतिहास रच पाते हैं।

शाहजहांपुर में खिलाड़ियों को जल्द मिलेगी सौगात

शाहजहांपुर,एजेंसी। शाहजहांपुर के हथौड़ा स्थित परमवीर चक्र विजेता नायक जदुनाथ सिंह स्पोर्ट्स स्टेडियम अपने नये कलेवर में तैयार हो गया है। 26 करोड़ 33 लाख रुपये से निर्मित अत्याधुनिक स्पोर्ट्स स्टेडियम का 19 जुलाई को लोकार्पण कार्यक्रम प्रस्तावित है। इसके बाद स्टेडियम खिलाड़ियों के लिए खोल दिया जाएगा। खेल सुविधाएं मिलने से राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार हो सकेंगे। डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने बुधवार को सीडीओ उत्कर्ष द्विवेदी के साथ स्टेडियम का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता और खिलाड़ियों के लिए विकसित की जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। संबंधित अधिकारियों और कार्यदायी संस्थाओं को सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। डीएम ने सबसे पहले निर्माणाधीन तरणताल (स्विमिंग पूल) का निरीक्षण किया।

उन्होंने पूल में पानी की गहराई का स्पष्ट अंकन कराने, सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने और परिसर की नियमित साफ–सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। जिला क्रीड़ा अधिकारी एसपी बमनिया को एक पुरुष व एक महिला तैराकी प्रशिक्षक व एक लाइफ गार्ड को मानदेय पर नियुक्त करने के निर्देश भी दिए, ताकि तैराकी प्रशिक्षण सुचारु रूप से शुरू कराया जा सके। इसके बाद डीएम ने बैडमिंटन हॉल, कबड्डी हॉल और 400 मीटर सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। सभी शेष कार्य तय समय में पूरे किए जाएं।

19 जुलाई को प्रस्तावित लोकार्पण कार्यक्रम को देखते हुए सभी तैयारियां समय से पूरी कर ली जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि उद्घाटन से पहले स्टेडियम की सभी खेल सुविधाएं पूरी तरह तैयार, सुरक्षित और उपयोग योग्य हों। उन्होंने कहा कि आधुनिक खेल सुविधाओं से सुसज्जित यह स्टेडियम जिले के खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण उपलब्ध कराएगा और उन्हें प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन का अवसर मिलेगा। इस मौके पर उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कॉरपोरेशन लिमिटेड के एपीएम श्याम, यूपी सिडको के सहायक अभियंता परवेज आलम, जूनियर इंजीनियर अग्रसेन सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

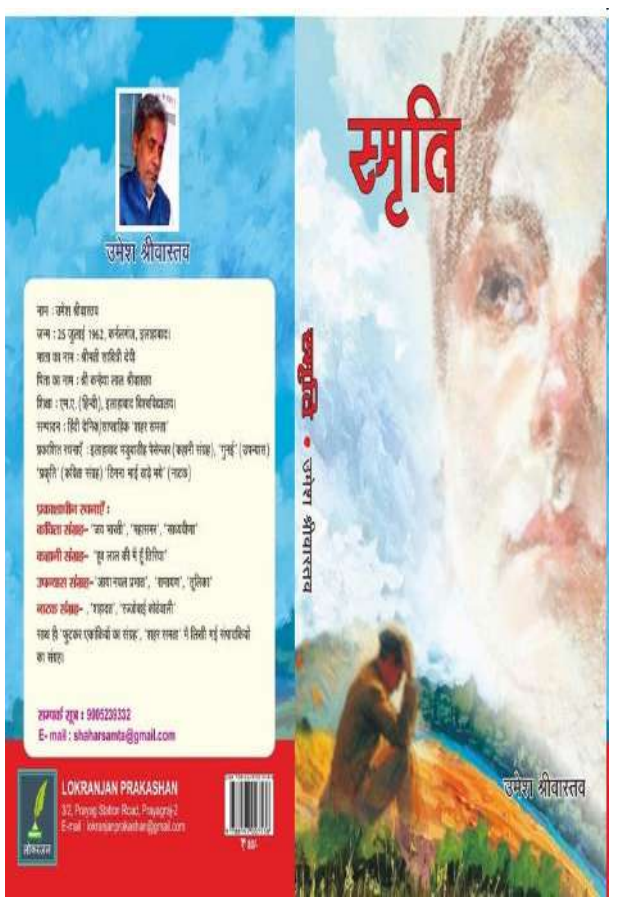

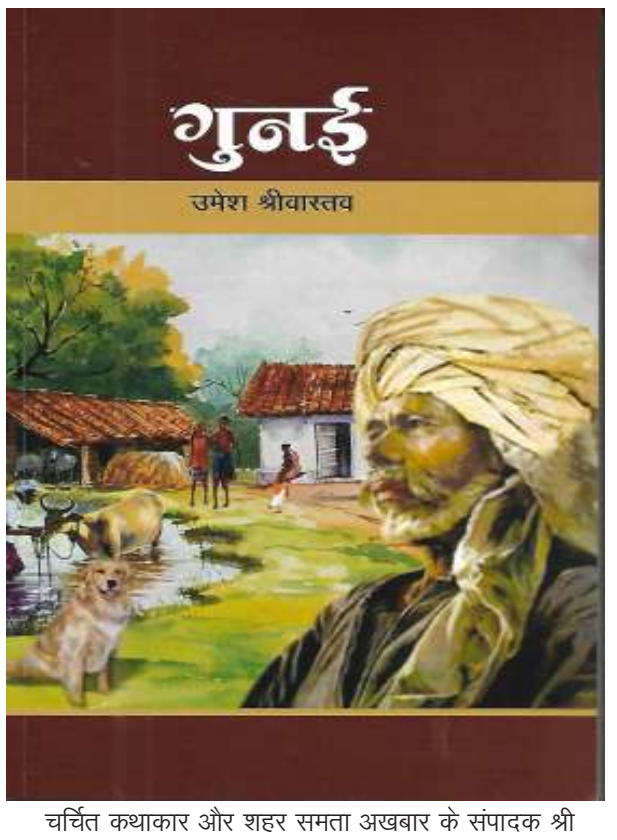

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

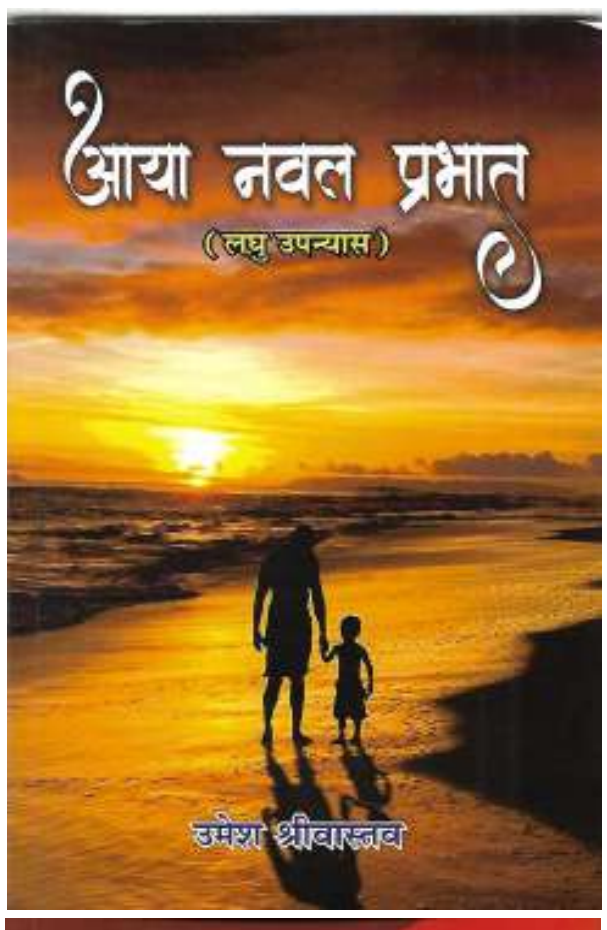

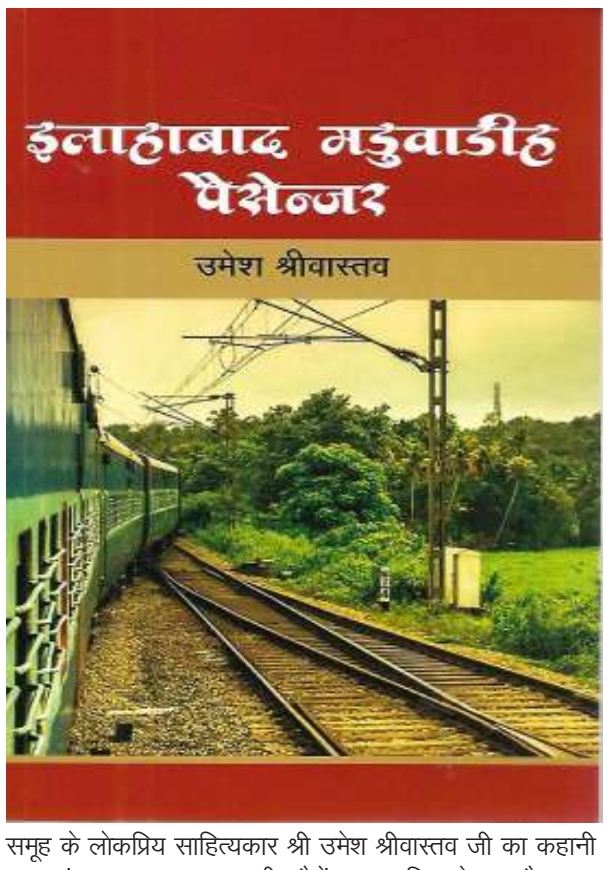

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

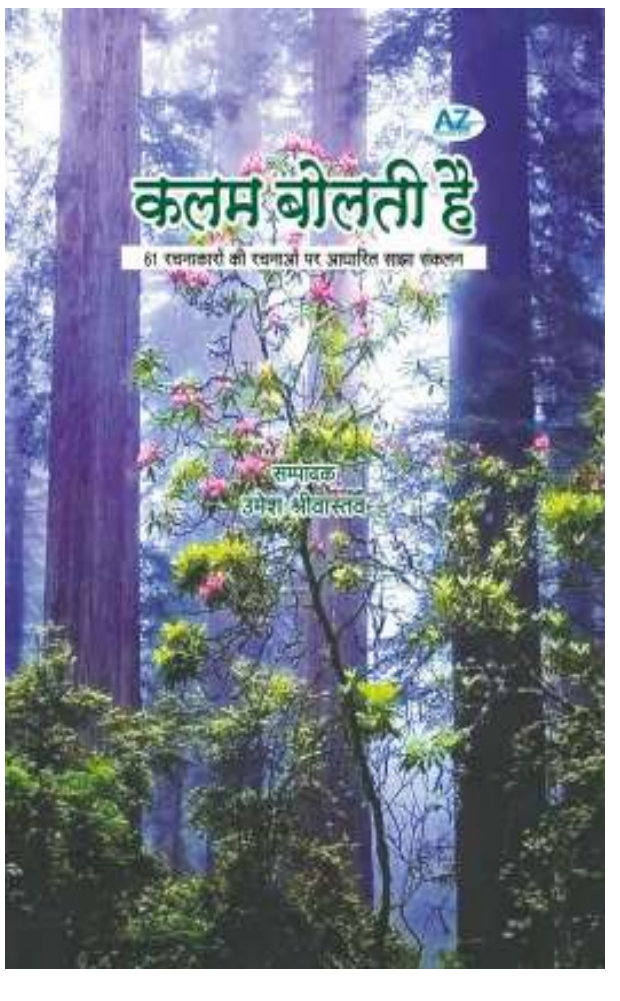

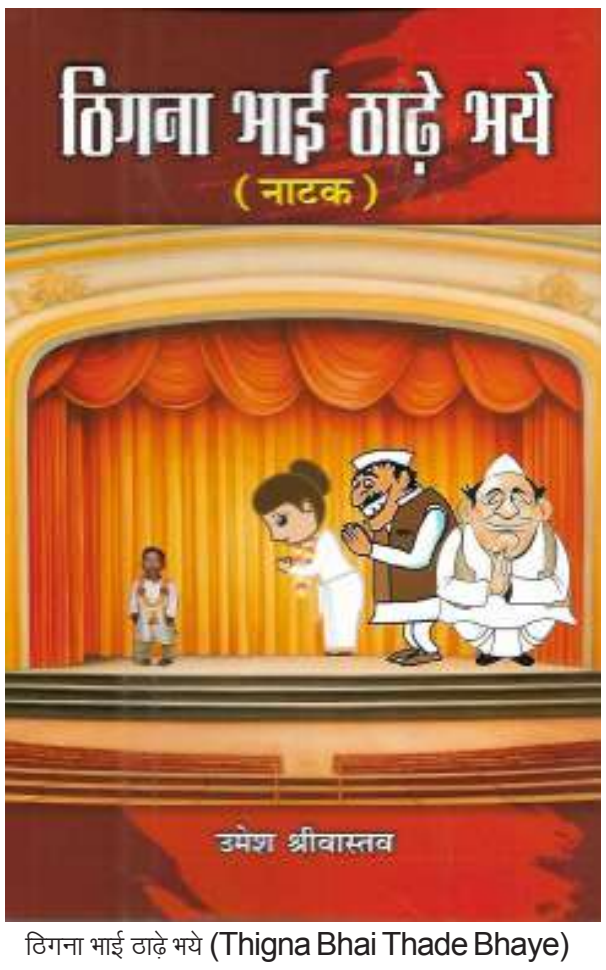

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

तस्वीरों में तेहरान: खामेनेई को सुपुर्द-ए-खाक करते समय हजारों आंखें नम, यूएस-ईरान तनाव के बीच सड़कों पर जनसैलाब

तेहरान, एजेंसी। ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की अंतिम यात्रा के दौरान इराक के पवित्र शहर कर्बला में भारी भीड़ उमड़ी। सड़कें लोगों से पूरी तरह भर गईं।

हजारों–लाखों लोग सुबह से ही अंतिम यात्रा के रास्ते और ध ार्मिक स्थलों के आसपास पहुंच गए थे। कई लोग तो एक दिन पहले ही कर्बला पहुंच गए थे ताकि उन्हें अच्छी जगह मिल सके। बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हुए इससे पहले खामेनेई का ताबूत इराक के दूसरे पवित्र शहर नजफ ले जाया गया। वहां इमाम अली की दरगाह पर बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हुए। लोगों ने ताबूत को अपने कंधों पर उठाया। भीड़ इतनी ज्यादा थी कि ताबूत कई बार इधर–उधर झूलने लगा। कई लोग उसे छूने की कोशिश कर रहे थे, जिससे धक्का–मुक्की भी हुई। ईरान के झंडे के साथ दिखे लोग इसके बाद ताबूत को सड़क के रास्ते नजफ से कर्बला लाया गया। जैसे ही ताबूत शहर पहुंचा। बड़ी संख्या में लोग उसके साथ चलने लगे। लोग ईरान के झंडे लहरा रहे थे और खामेनेई की तस्वीरें हाथ में लिए हुए थे। पूरे रास्ते धार्मिक नारे लगाए गए और लाउडस्पीकरों से भी लगातार घोषणाएं होती रहीं। भीषण गर्मी से बचने के लिए क्या किया गया? भीषण गर्मी को देखते हुए लोगों के लिए जगह–जगह पानी का छिड़काव किया गया। खाने–पीने के स्टॉल भी लगाए गए ताकि दूर–दूर से आए लोगों को कोई परेशानी न हो। सुरक्षा के लिए बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए थे और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए मेडिकल टीमें भी मौजूद थीं। ईरान ने शनिवार से छह दिन का अंतिम संस्कार कार्यक्रम शुरू किया है। इस दौरान अंतिम यात्रा उन धार्मिक और ऐतिहासिक जगहों से होकर गुजर रही है, जो ईरान और शिया समुदाय के लिए खास महत्व रखती हैं। यात्रा तेहरान से शुरू होकर ईरान के पवित्र शहरों और फिर इराक के नजफ व कर्बला पहुंची। इसके बाद ताबूत वापस ईरान ले जाया जाएगा, जहां गुरुवार को उनके पैतृक शहर मशहद में दफनाया जाएगा।

ईरान युद्ध के बीच ट्रंप को सताई सुरक्षा की चिंता, क्यों कहा- आप शायद सबसे खतरनाक फ्लाइट में सवार हैं

वॉशिंगटन, एजेंसी । अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्धविराम टूट गया है और दोनों देशों ने एक दूसरे के ठिकानों पर हवाई हमले शुरू कर दिए हैं। अमेरिका ने जब ईरान पर हवाई हमले किए तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नाटो सम्मेलन में भाग लेने के लिए तुर्किए में मौजूद थे। बुधवार को

जब वे वापस अमेरिका लौट रहे थे तो उन्हें भी अपनी सुरक्षा की चिंता सताई। यही वजह रही कि उन्होंने अपने एयरफोर्स वन विमान में मीडिया से बात करते हुए उन्हें अपनी खिड़कियों के पर्दे बंद करने की सलाह दी। पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने ऐसा क्यों कहा? जब ट्रंप ने खिड़कियों के पर्दे बंद कराने की वजह पूछी गई तो उन्होंने कहा, श्आप इस समय सबसे खतरनाक फ्लाइट में सवार हैं। ये ईरानी पागल लोग हैं। ये हमेशा धमकियां देते रहते हैं और मैं उनकी हिट लिस्ट में पहले नंबर पर हूं। ऐसे में अगर मैं गया तो आप भी जाओगे। हो सकता है कि आप किसी दिन इस पेशे (पत्रकारिता) को ही बदलने पर विचार करने लगें। ट्रंप को किस बात का था डर?

ईरान की सीमा तुर्किए से मिलती है। ईरान के पास ऐसी कई मिसाइलें और ड्रोन मौजूद हैं, जिनकी मारक क्षमता तुर्किए की सीमा तक मार करने के लिए काफी है। यही वजह है कि जब ट्रंप के विमान ने तुर्किए से उड़ान भरी तो अमेरिका को ट्रंप की सुरक्षा की चिंता थी। तुर्किए से उड़ान भरने के कुछ समय बाद तक आम नागरिकों के फ्लाइट ट्रैकिंग प्लेटफॉर्म अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक विमान एयर फोर्स वन के ट्रांसपोंडर सिग्नल को ट्रैक नहीं कर सके, जिससे संकेत मिला कि चालक दल ने सुरक्षा कारणों से इसे अस्थायी रूप से बंद कर दिया था। आमतौर पर यह व्यवस्था युद्ध क्षेत्रों जैसे उच्च जोखिम वाले इलाकों में राष्ट्रपति की आवाजाही के दौरान अपनाई जाती है। इससे साफ है कि अमेरिका को कहीं न कहीं ये डर था कि राष्ट्रपति ट्रंप की वापसी के दौरान ईरान उनके विमान को निशाना बना सकता है। सुरक्षा वजहों से नए की बजाय पुराने विमान से लौटे ट्रंप अमेरिका को ईरान के साथ जारी युद्ध के चलते ट्रंप की सुरक्षा की इतनी चिंता है कि राष्ट्रपति ट्रंप, तुर्किए से कतर द्वारा गिफ्ट किए गए नए एयर फोर्स वन विमान की बजाय अपने पुराने एयर फोर्स वन विमान से अमेरिका के लिए रवाना हुए।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

यौन उत्पीड़न और मानहानि मामले में ट्रंप को झटका, 1996 में की गई गलती के लिए अब क्यों देंगे 58 लाख डॉलर?

वॉकशगंटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को यौन उत्पीड़न और मानहानि मामले में बड़ा कानूनी झटका लगा है। एक संघीय न्यायाधीश ने बुधवार को आदेश दिया कि लेखिका ई. जीन कैरोल को वह 58 लाख अमेरिकी डॉलर की राशि जारी की जाए, जिसे वर्ष 2023 में जूरी के फैसले के बाद एस्क्रो खाते में जमा कराया गया था। ट्रंप के वकीलों ने तुरंत इस आदेश के खिलाफ अपील दायर की, लेकिन भुगतान पर रोक लगाने की उनकी याचिका खारिज कर दी गई।

2023 में जमा रकम अब कैरोल को मिलेगी जूरी के 2023 के फैसले के तुरंत बाद ट्रंप ने यह राशि एक एस्क्रो खाते में जमा करा दी थी। हाल ही में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने भी निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखा, जिसके बाद संघीय न्यायाध ीश लुईस ए. कैपलन ने राशि जारी करने का रास्ता साफ कर

दिया। शुरुआती 50 लाख डॉलर की क्षतिपूर्ति राशि ब्याज जुड़ने के बाद बढ़कर करीब 58 लाख डॉलर हो गई है। जूरी ने माना था कि ट्रंप ने साल 1996 में मैनहैटन के एक लग्जरी डिपार्टमेंट स्टोर के ट्रायल रूम में लेखिका कैरोल का यौन उत्पीड़न किया था। साल 2019 में प्रकाशित अपनी आत्मकथा में कैरोल द्वारा इस घटना का सार्वजनिक रूप से उल्लेख किए जाने के बाद ट्रंप ने उनके खिलाफ मानहानिकारक बयान दिए थे। उस समय ट्रंप अपने पहले राष्ट्रपति कार्यकाल में थे। उन्होंने कैरोल के आरोपों को झूठा बताते हुए एक साक्षात्कार में कहा था, श्वह मेरी पसंद की महिला नहीं हैं। ट्रंप ने अपने बचाव में दीं ये दलीलें फैसले के बाद बुधवार को ट्रंप के वकीलों ने कहा कि वे कानूनी लड़ाई जारी रखेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके मुवक्किल के राजनीतिक विरोधी न्यायिक व्यवस्था का इस्तेमाल उनके खिलाफ कर रहे हैं। अपील में उन्होंने दलील दी कि न्यायाधीश कैपलन का आदेश लागू नहीं होना चाहिए, क्योंकि ट्रंप ने सुप्रीम कोर्ट से उसके हालिया फैसले पर पुनर्विचार करने का अनुरोध ा किया है। हालांकि, बुधवार देर रात द्वितीय अमेरिकी सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स की न्यायाधीश यूनिस सी. ली ने कैरोल को भुगतान रोकने की ट्रंप की याचिका खारिज कर दी। कैरोल के वकीलों ने अपीलीय अदालत में दाखिल दस्तावेज में कहा, श्अब इस मामले का अंत होना चाहिए।श उन्होंने लिखा, श्कैरोल तीन वर्षों से अधिक समय से जूरी द्वारा तय की गई क्षतिपूर्ति राशि का इंतजार कर रही हैं। उन्हें अब और इंतजार नहीं करना चाहिए।श इस मुकदमे में ट्रंप स्वयं अदालत में उपस्थित नहीं हुए थे। सुनवाई के दौरान कैरोल ने गवाही दी थी कि डिपार्टमेंट स्टोर में ट्रंप से हुई एक सामान्य और दोस्ताना मुलाकात अचानक हिंसक हो गई थी। 1996 की गलती का अब क्यों हर्जाना दे रहे ट्रंप?

वहीं, अब 82 साल की हो चुकीं कैरोल को लेकर ट्रंप लगातार कहते रहे कि वह उन्हें जानते तक नहीं थे। उन्होंने कैरोल पर अपनी किताबों की बिक्री बढ़ाने और राजनीतिक मकसद से आरोप लगाने का भी आरोप लगाया। कैरोल ने ट्रंप के खिलाफ मुकदमा उस समय दायर किया था, जब न्यूयॉर्क ने कानून में बदलाव कर यौन उत्पीड़न के पीड़ितों को वर्षों पुराने मामलों में भी मुकदमा दायर करने का नया अवसर दिया था। न्यायाधीश कैपलन ने अपने आदेश में लिखा, श्ट्रंप वर्षों से इस मामले को लटकाते रहे हैं। अब समय आ गया है कि वे न्यायसंगत व्यवहार करें और अदालत द्वारा तय राशि का भुगतान करें। इस बीच, ट्रंप एक अन्य मानहानि मामले में कैरोल को दिए गए 8.3 करोड़ अमेरिकी डॉलर के हर्जाने के खिलाफ भी अपील कर रहे हैं। यह राशि वर्ष 2024 में मैनहैटन की एक अलग जूरी ने तय की थी, जिसमें ट्रंप ने संक्षिप्त रूप से गवाही भी दी थी।

ईरान- यूएस जंग की आंच चाबहार तक, अमेरिकी हमलों से तनाव, भारत से क्या कनेक्शन?

वॉशिगंटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच हो रही जंग की आंच चाबहार बंदरगाह तक पहुंच चुकी है। होर्मुज और आसपास के इलाकों में 90 से अधिक ठिकानों पर हवाई हमलों के बाद अमेरिकी सेना ने चाबहार को भी निशाना बनाया है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान में अमेरिकी सेना की एयर स्ट्राइक के बाद चाबहार और आसपास के क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। हमलों में बंदरगाह, एक समुद्री यातायात नियंत्रण टावर और पास की सैन्य संपत्तियों को भी नुकसान पहुंचा है। पश्चिम एशिया में संकट कितना गहरा? आज ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर खामेनेई को मशहद शहर में सुपुर्द–ए–खाक भी किया जाना है, ऐसे में अमेरिकी हमलों के बाद पश्चिम एशिया में संकट गहराने लगा है। दोनों पक्षों की तरफ से आक्रामक बयानबाजी का सिलसिला भी जारी है। अमेरिका ने ईरान के चाबहार पर हमला किया, संघर्ष पर ट्रंप क्या बोले? दरअसल, अमेरिका ने बुधवार–गुरुवार की दरम्यानी रात ईरान के दक्षिण–पूर्वी बंदरगाह शहर चाबहार पर नए हमले किए। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों देश दूसरे दिन भी एक–दूसरे पर लगातार हमले कर रहे हैं। ईरान की सरकारी मीडिया में आई खबरों के मुताबिक चाबहार में विस्फोटों की आवाज सुनी गई। शहर के कुछ हिस्सों में बिजली भी गुल हो गई। स्थानीय लोगों ने कई धमाके सुने। आपातकालीन सेवाओं से जुड़ी जगहों पर भी नुकसान की खबर है। यह हमले चिंताजनक इसलिए भी है क्योंकि अप्रैल में अमेरिका–ईरान युद्धविराम की घोषणा के बाद से भारत की मदद के विकसित इस रणनीतिक बंदरगाह पर पहली बार हमले हुए हैं। 90 ईरानी ठिकानों पर हमले, अमेरिकी सेना क्या बोली? अमेरिकी सैन्य अधिकारियों के अनुसार, समुद्र में बने बुनियादी ढांचे और सैन्य सुविधाओं को निशाना बनाया गया। वाशिंगटन की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि इन जगहों की मदद से ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य में वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाता है। खतरों को भांपते हुए अमेरिकी सेना की मध्य पूर्व कमान–सेंटकॉम (ब्म्छज्ब्ड) ने लगभग 90 ईरानी ठिकानों को निशाना बनाया। एक्स पर जारी बयान में सेंटकॉम ने लिखा, अमेरिकी सेंट्रल कमांड बलों ने ईरान के खिलाफ अतिरिक्त हमले शुरू किए हैं। इसका मकसद होर्मुज में खतरों को कम करना और जहाजों को नुकसान पहुंचाने की ईरान की ताकत पर नकेल कसना है। इन हमलों के बाद अमेरिका ने कहा कि वाणिज्यिक जहाजों और नागरिक दल के खिलाफ हालिया आक्रामकता अनुचित हैं। इसके लिए ईरान जवाबदेह है। अमेरिकी हमलों से पहले मंगलवार को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे तीन मालवाहक जहाजों पर कथित तौर पर ईरान की सेना ने हमले किए। ट्रंप ने तेहरान को चेतावनी दी थी कि अगर तेहरान महत्वपूर्ण शिपिंग लेन में वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाना जारी रखेगा, तो इसके अंजाम श्बहुत खराबश होंगे। ईरान ने अमेरिका पर पलटवार करने के लिए कुवैत और बहरीन में उसके सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। ट्रंप के आक्रामक बयान के बीच ईरान की संसद के अध्यक्ष और मुख्य वार्ताकार गालिबाफ ने कहा, अमेरिका ने अभी तक यह नहीं सीखा है कि धमकाना और वादे तोड़ना बीते दिनों की बात हो चुकी है। ट्रंप ने क्यों कहा– ईरान के साथ वार्ता समय की बर्बादी? यह भी महत्वपूर्ण है कि ईरान में अमेरिकी सेना के ताजा हमलों से पहले नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान ट्रंप ने कहा था कि ईरान के साथ मौजूदा हालात में बातचीत करना उन्हें समय की बर्बादी लगता है। तल्ख अंदाज में ट्रंप ने तेहरान के नेताओं को बेवकूफ भी बताया था। उन्होंने शांति समझौते को लेकर भी कहा कि ईरान की तरफ से सीजफायर का उल्लंघन किया गया, ऐसे में उन्हें लगता है कि समझौता टूट चुका है। तेहरान की तरफ से भी अमेरिका को दो–टूक जवाब दिया गया है।

`डील के लिए गिड़गिड़ा रहा ईरान': ट्रंप ने साझा किया हमले का वीडियो, बोले- 20 गुना ज्यादा ताकत से देंगे जवाब

एजेंसी/मध्य पूर्व में युद्ध एक बार फिर खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। अमेरिका के लगातार हवाई हमलों के बाद ईरान ने खाड़ी देशों पर जवाबी कार्रवाई तेज कर दी है, जबकि होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर दोनों देशों के बीच टकराव और गहरा

गया है।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस हमले की तस्वीरें और वीडियो साझा करते हुए दावा किया कि अमेरिकी सेना ने लगातार दूसरे दिन ईरानी ठिकानों को निशाना बनाया है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों को निशाना बनाया तो अमेरिका उससे 20 गुना अधिक ताकत से जवाब देगा। बुशेहर समेत ईरान के कई शहरों में क्यों हुए ध ामाके? ईरान के सरकारी मीडिया ने दक्षिणी तटीय इलाकों में कई जगह विस्फोटों की पुष्टि की है। इनमें बुशेहर भी शामिल है, जहां ईरान का प्रमुख परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थित है। इसके अलावा चाबहार, कोनारक, बंदर अब्बास और सीरिक जैसे बंदरगाह शहरों में भी धमाकों की खबर सामने आई है। वहीं, दक्षिण–पूर्वी शहर इरानशहर स्थित वायुसेना अड्डे पर भी अमेरिकी सेना ने हमला किया। अमेरिकी हमलों के बाद ईरान ने किन देशों पर पलटवार किया? अमेरिकी हमलों के बाद ईरान ने बहरीन, कुवैत और कतर को निशाना बनाते हुए जवाबी हमले किए। इससे फारस की खाड़ी में जारी तनाव और बढ़ गया तथा युद्ध समाप्त करने के लिए किए गए अंतरिम समझौते पर भी संकट गहरा गया। समाचार एजेंसी एपी के अनुसार, गुरुवार को ईरान की ओर से किए गए हमले पहले की तुलना में कहीं अधिक बड़े और व्यापक दिखाई दिए। हालांकि, तीनों खाड़ी देशों में किसी बड़े नुकसान की तत्काल पुष्टि नहीं हुई है। कुवैत की सेना ने बताया कि वह लगातार आने वाले ड्रोन और मिसाइलों को हवा में ही मार गिरा रही है। ट्रंप ने क्यों कहा कि ईरान समझौते के लिए बेताब है?

डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि तेहरान वॉशिंगटन के साथ युद्धविराम और समझौता करने के लिए बेहद उत्सुक है। उन्होंने यह बयान उस वक्त दिया, जब एक दिन पहले ही वह दोनों देशों के बीच हुए अंतरिम समझौते को श्खत्मश बता चुके थे। राष्ट्रपति के विशेष विमान में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा, श्कुछ समय पहले ईरान की ओर से फोन आया था। वे किसी भी कीमत पर समझौता करना चाहते हैं। लेकिन मुझे नहीं पता कि वे इसके योग्य हैं या नहीं। सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या वे समझौते का पालन करेंगे।श हालांकि, ट्रंप ने यह नहीं बताया कि फोन पर किससे बातचीत हुई थी। उन्होंने ईरानी नेतृत्व को ष्कुछ हद तक पागलष भी बताया।

क्या ट्रंप ने फिर नागरिक ढांचे पर हमले की धमकी दी?

ट्रंप ने एक बार फिर ईरान के नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अमेरिका जरूरत पड़ने पर बिजली संयंत्रों, समुद्री जल को मीठा बनाने वाले संयंत्रों (समुद्री जल अलवणीकरण संयंत्र) और ईरान के प्रमुख तेल उत्पादन केंद्र खार्ग द्वीप पर भी हमला कर सकता है। उन्होंने कहा, ष्जो भी होगा, बहुत तेजी से होगा।ष साथ ही उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अमेरिकी सेना श्काम पूरी तरह खत्मश भी कर सकती है। तीन तेल टैंकरों पर मंगलवार को हुए हमलों के बाद अमेरिका ने ईरान पर सैन्य कार्रवाई शुरू की थी। उस समय ट्रंप ने कहा था कि उनके लिए वॉशिंगटन और तेहरान के बीच हुआ अंतरिम समझौता अब समाप्त हो चुका है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि बातचीत की प्रक्रिया जारी रहने दी जाएगी। होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान का रुख क्या है? दूसरी ओर, ईरान का कहना है कि अंतरिम समझौते के तहत उसे होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही नियंत्रित करने का अधिकार प्राप्त है। ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ, जो स्थायी शांति समझौते की वार्ता में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं, ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि अमेरिका और ईरान के बीच हमलों के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य केवल ष्ईरानी व्यवस्थाष के तहत ही खोला जाएगा। उन्होंने कहा, ष्अमेरिका अब तक यह नहीं समझ पाया कि धमकी और वादाखिलाफी की कीमत चुकानी पड़ती है। अगर आप हमला करेंगे, तो जवाबी हमला भी झेलना पड़ेगा। ईरानी विदेश मंत्रालय ने ट्रंप पर क्या आरोप लगाए? ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने ट्रंप की धमकियों को उनकी कमजोरी का संकेत बताया।

भारत का बाजार खोलेगा न्यूजीलैंड की किस्मत: पीएम लक्सन ने क्या किया दावा? 57प्रतिशत सामान पर नहीं लगेगा टैरिफ

एजेंसी/भारत और न्यूजीलैंड के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते को लेकर न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि इस समझौते से न्यूजीलैंड के कारोबार को जबरदस्त गति मिलेगी और भारतीय बाजार में उसके

निर्यातकों के लिए नए अवसर खुलेंगे। कितने प्रतिशत निर्यात पर नहीं लगेगा शुल्क? क्रिस्टोफर लक्सन ने कहा कि भारत के साथ होने वाले व्यापार समझौते के तहत न्यूजीलैंड से भारत भेजे जाने वाले कुल निर्यात का 57 प्रतिशत हिस्सा पहले ही दिन से आयात शुल्क (टैरिफ) से मुक्त हो जाएगा। उनका कहना है कि इससे न्यूजीलैंड के उत्पाद भारतीय बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बनेंगे और दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध और मजबूत होंगे। व्यापार और निवेश को मिलेगा बढ़ावा लक्सन ने विश्वास जताया कि इस समझौते से केवल निर्यात ही नहीं बढ़ेगा, बल्कि निवेश, रोजगार और आर्थिक सहयोग को भी नई दिशा मिलेगी। उन्होंने इसे न्यूजीलैंड के कारोबारियों और अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर बताया। भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते बड़े बाजारों में से एक है, ऐसे में यह समझौता दोनों देशों के लिए लाभकारी साबित हो सकता है। कब लगी थी डील पर मुहर? भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत अप्रैल 2010 में शुरू हुई थी। दोनों देशों के बीच 10 दौर की वार्ता हुई, लेकिन 2015 में यह प्रक्रिया रुक गई। इसके बाद करीब 10 साल तक कोई खास प्रगति नहीं हुई। फिर 17 मार्च 2025 को दोनों देशों ने दोबारा बातचीत शुरू करने का फैसला किया। 2025 के दौरान कई दौर की वार्ताओं के बाद 22 दिसंबर 2025 को समझौते को अंतिम रूप दिया गया और 27 अप्रैल 2026 को नई दिल्ली में भारत और न्यूजीलैंड ने इस मुक्त व्यापार समझौते पर आधिकारिक रूप से हस्ताक्षर कर दिए।

दक्षिणी चीन में बाढ़ ने मचाई तबाही: 39 लोगों की मौत, बांध टूटने से सबसे बड़ा हादसा

एजेंसी/दक्षिणी चीन में ट्रॉपिकल स्टॉर्म श्मेसाकश के कारण आई भीषण बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। गुरुवार को अधिकारियों ने बताया कि इस प्राकृतिक आपदा में अब तक 39 लोगों की मौत हो चुकी है। बांध टूटने से गई 26 लोगों की जान– शहर के उपमहापौर डिंग वेई ने एक प्रेस वार्ता में बताया कि अधिकांश मौतें गुआंग्शी क्षेत्र के नाननिंग शहर में बांध टूटने की घटना के कारण हुईं। इस हादसे में अकेले 26 लोगों की जान चली गई।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।